শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 219 | गुवाहाटी | रविवार, 15 मार्च, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई शुरू, घरेलू एलपीजी का प्रोडक्शन 30 प्रतिशत बढ़ा — पेज 2
चाय बागान मालिक संग फाइव स्टार होटल में पूर्व सीएम ने किया था लेन-देन : भाजपा — पेज 3
पंजाब में भाजपा अकेले बनाएगी अगली सरकार : अमित शाह — पेज 5
नमन अवार्ड्स-2026 में रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को ... — पेज 7

सिलचर में 23,550 करोड़ की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

हारों का शतक लगाएगी कांग्रेस देश दे रहा सजा : प्रधानमंत्री

सिलचर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के सिलचर में लगभग 23,550 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी और कहा कि इन परियोजनाओं से बराक घाटी को पूर्वोत्तर भारत का बड़ा लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक केंद्र बनने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक पूर्वोत्तर की उपेक्षा की और असम के युवाओं को हिंसा एवं आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। प्रधानमंत्री ने लगभग 22,860 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 166 किलोमीटर लंबे शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड चार-लेन हाई-स्पीड कॉरिडोर होगा। इसके पूरा होने के बाद मेघालय और असम के बीच कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय करीब 8.5 घंटे से घटकर लगभग 5 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल एक हाई-वे नहीं है, बल्कि दशकों से पूर्वोत्तर के लोगों के लंबे इंतजार का अंत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर से सिलचर, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा जैसे राज्यों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इन राज्यों के जरिए बांग्लादेश और म्यांमार के साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इससे किसानों, उद्योगों और पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ होगा। मोदी ने सिलचर में एनएच-306 पर कैपिटल पॉइंट के पास ट्रंक रोड से रंगिरखारी पॉइंट तक बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर (चरण-1) का भी भूमि पूजन किया। इस परियोजना से शहर की व्यस्त सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और मिजोरम, त्रिपुरा तथा मणिपुर जैसे पड़ोसी राज्यों से संपर्क बेहतर होगा। यह परियोजना बराक घाटी के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने करीमगंज जिले के पथारकांडी में एक नए कृषि महाविद्यालय की आधारशिला रखी। यह संस्थान -शेष पृष्ठ दो पर

दो दिवसीय असम दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री, प्रदेश भाजपा ने किया भव्य स्वागत

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से प्रदेश भाजपा मीडिया पैनलिस्ट मून तालुकदार ने केंद्रीय गृह मंत्री का कामाख्या मंदिर की पवित्र भूमि और श्रीमंत शंकरदेव की पूजनीय आध्यात्मिक विरासत वाली धरती पर गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रदेश भाजपा ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में, केंद्रीय गृह मंत्री शाह के सक्रिय मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के गतिशील नेतृत्व में असम में स्थायी शांति और स्थिरता की बहाली देखने को मिली है। गृह मंत्री ने कभी आतंकवाद से प्रभावित और संघर्ष-ग्रस्त -शेष पृष्ठ दो पर

विकेंद्रीकरण की योजना का हिस्सा है सिलचर सचिवालय : सीएम

सिलचर। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार गुवाहाटी में शासन के केंद्रीकरण की लंबे समय से चली आ रही प्रथा से दूर जा रही है, और प्रशासन के विकेंद्रीकरण और सेवाओं को लोगों के करीब लाने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर रही है। शनिवार को सिलचर के श्रीकोना में नए सचिवालय परिसर का उद्घाटन करने के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में निर्णय लेने की प्रक्रिया लंबे समय से राजधानी में ही केंद्रित रही है। पिछले पांच वर्षों में हमारी प्राथमिकताओं में से एक इस मानसिकता को खत्म करना और यह सुनिश्चित करना रहा है कि शासन और विकास राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र ने सोनम वांगचुक पर से एनएसए हटाया

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता एवं इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) तत्काल प्रभाव से हटा लिया है। वांगचुक इस अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय बिता चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि लद्दाख में शांति, स्थिरता एवं आपसी विश्वास का माहौल बनाने तथा सभी हितधारकों के साथ रचनात्मक और सार्थक संवाद को सुगम बनाने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। बयान के अनुसार 24 सितंबर 2025 को शांतिपूर्ण शहर लेह में उत्पन्न हुई गंभीर कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए लेह के जिला मजिस्ट्रेट ने 26 सितंबर 2025 को सोनम वांगचुक को एनएसए के तहत हिरासत में लेने का आदेश जारी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मुख्यमंत्री के खिलाफ भड़काऊ पर्चा

असम कांग्रेस के चार कार्यकर्ता गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के खिलाफ आरोप लगाने वाले *उत्तेजक और भड़काऊ* पर्चे रखने और ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, विपक्षी पार्टी ने आरोपों पर सवाल उठाते हुए इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास जन वितरण के लिए बनाए गए पोस्टर और पर्चे मिले हैं, जिनमें कथित तौर पर *मुख्यमंत्री के खिलाफ आरोप पत्र* शीर्षक के तहत *उत्तेजक, भड़काऊ और निंदनीय आरोप* शामिल -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

समय का ज्ञान ना रखने वाले राजा का कर्म समय के द्वारा ही नष्ट हो जाता है।

– **आचार्य चाणक्य**

यह बंगाल की आत्मा को बचाने का चुनाव निर्मम सरकार का अंत तय : मोदी

कोलकाता (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को यहां के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भाजपा की रैली में पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव केवल सरकार बदलने का चुनाव नहीं है, बल्कि *बंगाल की आत्मा को बचाने का चुनाव* है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने राज्य को अराजकता, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और भय के माहौल में धकेल दिया है और अब बंगाल की जनता बदलाव के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत बंगाली भाषा में करते हुए राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि ब्रिगेड मैदान में उमड़ी विशाल भीड़ इस बात का प्रमाण है कि बंगाल में परिवर्तन की इच्छा मजबूत हो चुकी है। यह मैदान इतिहास में कई बार बंगाल की आवाज बना है और आज एक बार फिर यहीं से *नए बंगाल की क्रांति* का बिगुल बज चुका है। मोदी ने कहा कि राज्य के लोगों के दिलों में यह बात दर्ज हो चुकी है कि बंगाल की *निर्मम सरकार* का अंत होकर रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी सत्ता जाते देख टीएमसी सरकार बौखला गई है और रैली में आने वाले लोगों को *चोर* कहकर उनका अपमान कर रही है, जबकि बंगाल की जनता अच्छी तरह जानती है कि असली चोर कौन है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि राज्य में *महाजंगलराज* का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और भाजपा की सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कार्बी आंग्लांग में पेड़ से टकराई बस, चालक समेत चार की मौत, 10 घायल

कार्बी आंग्लांग। असम के कार्बी आंग्लांग जिले में शनिवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में चालक सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य यात्री घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब एक यात्री बस अचानक असंतुलित होकर सड़क किनारे खड़े पेड़ से जा टकराई। -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ में घरेलू एलपीजी के दुरुपयोग पर जिला प्रशासन ने की कड़ी कार्रवाई

डिब्रूगढ़। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन ने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा अवैध रूप से सिलेंडर के दुरुपयोग और हेरफेर की आशंकाओं का हवाला देते हुए, पूरे जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। घरेलू उपयोग के लिए बने एलपीजी सिलेंडरों के कथित तौर पर रेस्तरां, होटल, ढाबे, खानपान सेवा प्रदाता, चाय की दुकानों और स्ट्रीट फूड विक्रेताओं जैसे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा उपयोग किए जाने की रिपोर्ट मिलने के बाद जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) द्वारा यह आदेश जारी किया गया था। जिला प्रशासन के अनुसार, घरेलू एलपीजी सिलेंडर रियायती दरों पर केवल घरेलू खाना पकाने के उद्देश्यों के लिए ही उपलब्ध कराए जाते हैं। वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए इनका उपयोग आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जारी द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति और वितरण का विनियमन) आदेश, 2000 के प्रावधानों का उल्लंघन है। अधिकारियों ने कहा कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का अनधिकृत रूप से डायवर्जन न केवल कानूनी प्रावधानों का -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में विस्फोट, चार साल के बच्चे की मौत पिता गंभीर रूप से घायल

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के नाने जिले में हुए बम धमाके में कलिंगमपो पामेई नाम के चार साल के बच्चे की मौत हो गई। इसी घटना में उसके पिता थुआनकुंगम पामेई गंभीर रूप से घायल हो गए। राज्य पुलिस मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे नाने जिले के खौपुम पुलिस स्टेशन के तहत ताओलिंगपुंग गांव के नामकाओलोंग पार्ट-टू इलाके में हुई। सूत्रों के मुताबिक, बच्चा अपने पिता के पास -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान-इजरायल तनाव को कम कराने में भारत निभा सकता है अहम भूमिका : यूएन

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने चेतावनी दी है कि बढ़ते ईरान-इजरायल संघर्ष के गंभीर मानवीय, आर्थिक और वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। सभी पक्षों से तत्काल युद्धविराम की दिशा में आगे बढ़ने और तनाव को कम करने में मदद की अपील की है। साथ ही कहा है कि भारत सहित प्रभावशाली देश इसमें अहम भूमिका निभा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रवक्ता रवीना शामदासानी ने कहा कि संगठन ने महीनों पहले ही संघर्ष की आशंका के बारे में चेतावनी दी थी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, संघर्ष शुरुआती हमलों से आगे बढ़कर अब पूरे क्षेत्र में कई पक्षों को शामिल कर चुका है। शामदासानी ने बताया कि इजरायल, ईरान और अमेरिका द्वारा किए गए हमलों के बाद यह तनाव बढ़ा, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई हुई और पड़ोसी देशों को भी प्रभावित करते हुए व्यापक शत्रुता फैल गई। उन्होंने कहा कि यह एक भयावह आपदा है जो हमारी आंखों के सामने घटित हो रही है और इसे पूरी तरह से टाला जा सकता था। संयुक्त राष्ट्र ईरान, -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप के बातचीत के दावे पर ईरान का पलटवार, कहा-

पांच साल तक युद्ध के लिए हैं तैयार

तेहरान। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने के साथ ही तेहरान के वार्ता की मांग करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए, ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि अब्दुल माजिद हकीम इलाही ने शनिवार को इन दावों को नकारते हुए कहा कि तेहरान पांच साल तक भी युद्ध जारी रखने के लिए तैयार है। एक साक्षात्कार में इलाही ने इस बात से स्पष्ट इनकार किया कि ईरान वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ वार्ता करना चाहता है, और कहा कि वार्ता के बीच में ही वाशिंगटन ने तेहरान को निशाना बनाया था। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम नीतीश की सुरक्षा में चूक, हेलीपैड कैंपस में घुसा सांड, मची अफरा-तफरी

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय में मुख्यमंत्री के आगमन से पहले सुरक्षा व्यवस्था के बीच उस वक्त अफरा-तफरी मच गई। ये अफरा-तफरी तब मच गई, जब हेलीपैड कैंपस में अचानक एक सांड घुस गया। सांड को भगाने के दौरान पुलिसकर्मियों को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी और कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समृद्धि यात्रा के तहत बेगूसराय के बरौनी प्रखंड स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने वाले हैं। यहां मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जिला प्रशासन की ओर से हेलीपैड और आसपास के इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इसी दौरान अचानक एक सांड हेलीपैड कैंपस में घुस गया, जिससे वहां मौजूद पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के बीच भागा-दौड़ी का माहौल बन गया। पुलिसकर्मियों ने सांड को भगाने की कोशिश की, लेकिन सांड ने उल्टा एक पुलिसकर्मी को ही खदेड़ दिया। काफी देर तक पुलिस और सुरक्षाकर्मी सांड को बाहर निकालने की कोशिश करते रहे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद सांड को हेलीपैड -शेष पृष्ठ दो पर

सिंगरौली में अडाणी पावर प्लांट में बवाल, आगजनी और तोड़फोड़

सिंगरौली (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के माडा थाना क्षेत्र स्थित बधौरा के अडाणी पावर प्लांट में शनिवार सुबह उस समय बड़ा हंगामा खड़ा हो गया, जब एक मजदूर की मौत के बाद साथी मजदूर भड़क उठे। आक्रोशित मजदूरों ने प्लांट परिसर में तोड़फोड़ करते हुए कई गाड़ियों में आग लगा दी और कुछ वाहनों को पलट दिया। आगजनी इतनी भीषण थी कि दूर से ही काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। बताया जा रहा है कि प्लांट में कार्यरत झारखंड के गढ़वा जिला निवासी मजदूर लल्लन सिंह लंबे समय से इसी प्लांट में काम कर रहा था। शुक्रवार देर रात उसकी मौत हो गई। यह बताया जा रहा कि ये अफवाह फैली कि मजदूर लल्लन की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

कमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई शुरू, घरेलू एलपीजी का प्रोडक्शन 30 प्रतिशत बढ़ा

92700 टन एलपीजी लेकर आ रहे दो टैंकर

नई दिल्ली। सरकार ने एक बार फिर से दोहराया है कि युद्ध की इस स्थिति में भी घरेलू स्तर पर पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। एलपीजी सिलेंडर को लेकर हालात सख्त जरूर है, लेकिन घबराने वाली बात नहीं है। आगामी 16 व 17 मार्च को दो टैंकर जहाज 92,700 टन एलपीजी लेकर भारत पहुंच रहे हैं। शिवालिक और नंदादेवी नामक ये दोनों टैंकर जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पार कर चुके हैं और मुंद्रा और कांडला पोर्ट पर ये पहुंचने वाले हैं। एलपीजी के छह, एलएनजी के एक तो चार कच्चे तेल के जहाज अभी फारस की खाड़ी में हैं और उम्मीद की जा रही है कि इन्हें भी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकलने की इजाजत मिल जाएगी। देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री से लेकर विदेश मंत्री तक ईरान, इजरायल व अमेरिका के अपने-अपने समकक्ष के साथ लगातार संपर्क में हैं। भारत तेल से लेकर गैस की खरीदारी तक के लिए खाड़ी देशों के अलावा कई अन्य देशों के संपर्क में हैं। इस बीच पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय के मुताबिक 29 राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों में कमर्शियल स्तर पर भी सिलेंडर की सप्लाई शुरू कर दी गई है। कमर्शियल सिलेंडर के वितरण की जिम्मेदारी राज्य सरकार को सौंपी गई है। एलपीजी का घरेलू उत्पादन में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी गई है। एलपीजी की 60 प्रतिशत घरेलू जरूरत की पूर्ति आयात से होती है। वहीं सरकार ने एक बार फिर से लोगों से एलपीजी सिलेंडर की जगह पीएनजी पर शिफ्ट होने की अपील की है। अभी 33 करोड़ एलपीजी ग्राहक है और इनमें से 60 लाख ग्राहक तत्काल रूप से पीएनजी पर शिफ्ट हो सकते हैं। गेल इंडिया को इस काम में उपभोक्ताओं का सहयोग करने का निर्देश दिया गया है। सभी पेट्रोलियम व गैस कंपनियों को सोशल मीडिया व अन्य माध्यम से एलपीजी और पीएनजी को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया है ताकि उपभोक्ता गलतफहमी के शिकार नहीं हो और स्थिति को पैनिक होने से रोका जा सके।

कोलकाता में पीएम मोदी की रैली से भाजपा टीएमसी कार्यकर्ताओं में झड़प, कई घायल

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिगेड रैली से पहले जमकर बवाल हुआ है। गिरीश पार्क इलाका रणक्षेत्र बन गया। आरोप है कि मोदी की ब्रिगेड रैली में जा रही भाजपा समर्थकों की गाड़ियों पर पुलिस की मौजूदगी में कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों द्वारा ईट पत्थर बरसाए गए, जिसमें कई समर्थक लहूलुहान हो गए। कई वाहनों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। तोड़फोड़ में कई बसों के शीशे टूट गए। भाजपा ने तृणमूल कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात किया गया है। इलाके में भारी तनाव का माहौल है। हमले के बाद बीच बचाव में कई पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। पुलिस को स्थिति को काबू में करने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया बल (आरएएफ) को उतारना पड़ा। इधर, रैली से पहले ब्रिगेड मैदान के आसपास की सड़कों पर लगाए गए पीएम के कई कटआउट के तोड़ने की घटना सामने आई है। साथ ही कोलकाता में वीआईपी रोड सहित कई अन्य जगहों पर *मोदी गो बैक* के होर्डिंग भी लगे मिले हैं। दूसरी ओर, मेदिनीपुर के नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भाजपा समर्थकों को लेकर ब्रिगेड रैली के लिए आ रही बस में तोड़फोड़ की गई है। एक भाजपा कार्यकर्ता की पिटाई भी की गई। इन सभी घटनाओं में भाजपा ने तृणमूल पर आरोप लगाया है। प्रधानमंत्री की सभा के उपलक्ष्य में भाजपा ने शहर के विभिन्न हिस्सों में पोस्टर, बैनर और कटआउट लगाए हैं। इसके जवाब में तृणमूल कांग्रेस ने भी अपने पोस्टर लगाए हैं। शनिवार को ब्रिगेड में मोदी की सभा से पहले एक्साइड मोड़ के पास फुटपाथ पर देखा गया कि एक कटआउट का सिर कटा हुआ है और कटा हुआ हिस्सा नीचे जमीन पर पड़ा है।

सीबीआई ने दिल्ली पुलिस के दो हेड कांस्टेबल को रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोचा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के सुल्तानपुरी थाने के दो हेड कांस्टेबलों राजेश और अजय को रंगे हाथ रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। दोनों ने शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपए की अवैध रिश्वत ली थी ताकि उसे अपनी ऑनलाइन सट्टेबाजी गतिविधियां जारी रखने की अनुमति मिल सके। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी ने 13 मार्च को इस मामले को दर्ज किया था। आरोप है कि आरोपित पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता से ऑनलाइन बेटिंग बंद न करने के बदले 20 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की। एजेंसी ने उसी दिन जाल बिछाया और दोनों को रंगे हाथ 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया गया है। मामले की आगे जांच जारी है।

असम एसटीएफ ने संदिग्ध जिहादी को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बरपेटा जिला के बरपेटा रोड में एक अभियान के दौरान एक संदिग्ध जिहादी को गिरफ्तार किया है। जिससे राज्य में चरमपंथी तत्वों के खिलाफ चल रही कार्रवाई और तेज हो गई है। पुलिस ने सूत्रों ने बताया है कि जिहादी को बीती रात के समय गिरफ्तार किया गया, जिसे फिलहाल गुवाहाटी लाकर पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मुस्तफिजुर रहमान के रूप में हुई है, जिसे एसटीएफ ने एक खास अभियान के दौरान पकड़ा। यह अभियान उसी जांच से जुड़ी पिछली गिरफ्तारियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया। सूत्रों के अनुसार, यह ताजा अभियान दो संदिग्ध जिहादियों से पूछताछ और उनके कबूलनामे के बाद शुरू किया गया था, जिन्हें इस जांच के सिलसिले में पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था।

कोकराझाड़ में अंतर-जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम संपन्न

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ में मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय कोकराझाड़ में अंतर-जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस कार्यक्रम में कछार जिले से आए युवा प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के बीच सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देना, नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना था। पांच दिनों तक चले इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान सत्र, नेतृत्व विकास कार्यशाला, समूह चर्चा, खेलकूद गतिविधियों तथा विभिन्न संस्थानों के अध्ययन भ्रमण में भाग लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के बारे में जानने, अपने विचार साझा करने और आपसी सहयोग व मित्रता के संबंध मजबूत करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों ने युवाओं को नेतृत्व, सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान आयोजित संवाद सत्रों और टीम-बिल्डिंग गतिविधियों ने युवाओं को एक साथ काम करने, अनुभव साझा करने और सामाजिक परिवर्तन के लिए नए विचार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में डॉ. विवेक पांडेय (जिला टीबी अधिकारी, कोकराझाड़), डॉ. वसीम अख्तर बारी (कोकराझाड़ कैंसर अस्पताल), डॉ. हसमत अली (सहायक प्रोफेसर, फकीराग्राम कॉलेज), डॉ. शशांक शेखर शर्मा (सहायक प्रोफेसर, दोतमा कॉलेज) तथा युवा आइकन मिस नेहा थापा, जिन्होंने वर्ष 2021 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव में असम का प्रतिनिधित्व किया था, ने युवाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न जिलों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने आयोजन को और भी जीवंत बना दिया। प्रतिभागियों ने अपने-अपने जिलों की सांस्कृतिक विरासत प्रस्तुत कर आपसी सम्मान और समझ को बढ़ावा दिया। समापन अवसर पर मेरा युवा भारत, कोकराझाड़ के जिला युवा अधिकारी हिमांशु कुमार ने कहा कि इस तरह के युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम युवाओं के बीच एकता और आपसी समझ को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि प्रतिभागी इस कार्यक्रम से प्राप्त अनुभव और ज्ञान को अपने-अपने क्षेत्रों में समाज के विकास के लिए उपयोग करेंगे। कार्यक्रम का समापन एक सम्मान समारोह के साथ हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संसाधन व्यक्तियों, स्वयंसेवकों, प्रतिभागियों और संबंधित संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

पृष्ठ एक का शेष

हारों का शतक ...

असम में कृषि शिक्षा और अनुसंधान के इको-सिस्टम को मजबूत करेगा और बराक घाटी तथा आसपास के क्षेत्रों के छात्रों को अपने घर के पास ही उच्च गुणवत्ता वाली कृषि शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे कृषि आधारित स्टार्टअप और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बराक घाटी इतिहास, संस्कृति और उद्यमशीलता का संगम है और यह क्षेत्र न केवल असम बल्कि पूरे पूर्वोत्तर और पश्चिम बंगाल को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल और शिक्षा से जुड़े ये प्रोजेक्ट बराक घाटी को नॉर्थ-ईस्ट का प्रमुख लॉजिस्टिक्स और ट्रेड हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अनेक अवसर पैदा होंगे। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद कई दशकों तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस सरकारों ने नॉर्थ-ईस्ट को दिल्ली से भी दूर रखा और दिल से भी दूर रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस क्षेत्र को विकास से वंचित रखा और बराक घाटी की आर्थिक ताकत को कमजोर कर दिया। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ, तब कांग्रेस ने ऐसी सीमाएं तय होने दीं कि बराक घाटी का समुद्र से संपर्क कट गया, जिससे इस क्षेत्र के व्यापारिक विकास को नुकसान पहुंचा। प्रधानमंत्री ने कहा कि अब भाजपा की *डबल इंजन* सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए तेजी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के नेताओं को अगर 24 हजार करोड़ रुपए लिखने के लिए पेन और कागज दे दिया जाए तो वे शायद इतने शून्य भी नहीं लिख पाएंगे। जहां कांग्रेस की सोच खत्म हो जाती है, वहां से भाजपा का काम शुरू होता है। मोदी ने कहा कि भाजपा का मूलमंत्र है कि विकास की दौड़ में जो लोग पीछे रह गए हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाए। कांग्रेस की सरकारें सीमावर्ती इलाकों को देश का अंतिम गांव मानती थीं, जबकि भाजपा सरकार उन्हें देश का पहला गांव मानती है। इसी सोच के तहत वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम के अगले चरण की शुरुआत कछार जिले से की गई है। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के युवाओं को हिंसा और आतंकवाद के कुचक्र में फंसाए रखा और *फूट डालो और राज करो* की राजनीति की। उन्होंने कहा कि आज असम में युवाओं के सामने अवसरों का खुला आसमान है और राज्य तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

दो दिवसीय असम दौरे ...

रहे असम को शांति, सुरक्षा और विकास की ओर लगातार अग्रसर एक राज्य में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीटीआर शांति समझौता, कार्बी आंग्लांग शांति समझौता और डिमासा समझौता जैसी ऐतिहासिक शांति पहलों के माध्यम से केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य के विभिन्न स्वदेशी समुदायों के लिए गरिमा, स्थिरता और समावेशी विकास सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा अमित शाह के नेतृत्व में यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के साथ भी एक ऐतिहासिक शांति प्रक्रिया आगे बढ़ी है, जिसने दशकों से असम को अस्थिर कर रही उग्रवाद की समस्या का अंत कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री 15 मार्च को गुवाहाटी के खानापारा स्थित कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंस के खेल के मैदान में आयोजित होने वाले *युवा शक्ति समारोह* में भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), असम प्रदेश द्वारा किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक सभा के दौरान, गृह मंत्री पूरे राज्य से आए 1.5 लाख से अधिक युवाओं को संबोधित करेंगे और उन्हें असम के विकास की यात्रा में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेंगे। इस कार्यक्रम में तेजस्वी सूर्या के साथ-साथ असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद दिलीप सैकिया भी उपस्थित रहेंगे। इस विशाल सभा के माध्यम से असम के हर जिले से युवा प्रतिनिधि एकत्रित होंगे और सामूहिक रूप से 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए बिगुल फूंकेंगे।

विकेंद्रीकरण की योजना...

के हर कोने तक पहुंचे, शर्मा ने कहा। उन्होंने कहा कि सिलचर में नव स्थापित सचिवालय भी गुवाहाटी के बाहर प्रशासनिक उपस्थिति को मजबूत करने और बराक घाटी के निवासियों के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने की इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये महज इमारतें नहीं हैं, बल्कि दृढ़ संकल्प के मजबूत बयान हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने जिला प्रशासनों को कई कार्यकारी शक्तियां सौंपी हैं और जमीनी स्तर पर शासन व्यवस्था में सुधार के लिए कई सह-जिलों का गठन किया है। शर्मा ने कहा कि ऐसे सुधारों का उद्देश्य नागरिकों द्वारा सरकारी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए जिला मुख्यालयों या राज्य की राजधानी तक लंबी दूरी तय करने की लंबे समय से चली आ रही प्रथा को समाप्त करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत सरल है, शासन को जनता तक पहुंचना चाहिए, न कि इसके विपरीत। विकेंद्रीकरण के उद्देश्य से की गई अन्य पहलों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य विधानसभा ने पहले कोकराझार में एक बैठक आयोजित की थी, जबकि डिब्रूगढ़ में एक नया सचिवालय पहले ही स्थापित किया जा चुका है और वहां एक विधायी परिसर विकसित करने की योजना भी है। इस बीच, कैबिनेट मंत्री कौशिक राय ने उद्घाटन को बराक घाटी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि यह क्षेत्र के विकास यात्रा में एक नए चरण की शुरुआत का प्रतीक है। राय ने कहा कि सिलचर में असम सचिवालय की स्थापना से प्रशासनिक दक्षता में काफी सुधार होगा और घाटी भर के लोगों के लिए सरकारी सेवाएं तेज और अधिक सुलभ हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह बराक घाटी के लोगों के लिए एक बहुमूल्य उपहार है। इस सचिवालय के साथ, क्षेत्र में प्रशासनिक कामकाज अधिक गतिशील और उत्तरदायी बनेगा। राय ने आगे कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बराक घाटी के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। बराक घाटी के लोगों की ओर से, मैं इस ऐतिहासिक कदम के लिए मुख्यमंत्री के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, राय ने कहा।

असम कांग्रेस के चार...

थे, जो सार्वजनिक शांति और चुनावी माहौल को बिगाड़ सकते थे। कांग्रेस ने दावा किया कि पर्चों में वे आरोप शामिल थे जो विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की असम इकाई द्वारा 19 फरवरी को जारी किए गए 20 सूत्रीय आरोप पत्र का हिस्सा थे। पुलिस ने बताया कि यहां रुक्मिणीगांव इलाके में बड़ी मात्रा में छपे हुए पर्चे ले जा रहे एक वाहन को रोककर चारों को हिरासत में लिया गया। वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। अभियुक्तों को जारी किए गए गिरफ्तारी नोटिस के अनुसार, इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं को लागू किया गया है, जिनमें धारा 152 भी शामिल है, जो भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों या भाषणों से संबंधित है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारियां सामग्री की छपाई और वित्तपोषण के स्रोत के साथ-साथ इसमें शामिल वितरण नेटवर्क का पता लगाने के लिए की गई थीं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, राज्य कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष बेदाब्रता बोरा ने आरोपों पर सवाल उठाया और जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री की आलोचना को राष्ट्रविरोधी गतिविधि के बराबर नहीं माना जा सकता। बोरा ने कहा कि विचाराधीन पर्चे प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा जारी किए गए 20 सूत्रीय आरोप पत्र का हिस्सा थे। उन्होंने पुलिस कार्रवाई के समय पर भी सवाल उठाया और कहा कि *चार्जशीट* पिछले महीने सार्वजनिक की गई थी, और अगर उसमें आपत्तिजनक सामग्री थी तो इतनी देर बाद कार्रवाई शुरू करना आश्चर्यजनक था।

यह बंगाल की आत्मा...

बनने के बाद कानून का राज स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी कानून तोड़ेगा या अत्याचार करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों से हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार *मां, मानुष और माटी* के नारे के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन आज हालात ऐसे हैं कि मां रो रही है, माटी को लूटा जा रहा है और बंगाल का मानुष राज्य छोड़ने को मजबूर हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठ की वजह से बंगाल की रोटी, बेटी और माटी पर खतरा पैदा हो गया है। मोदी ने कहा कि बीते दशकों में राज्य के कई इलाकों की जनसांख्यिकी बदल गई है और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण बंगाली हिंदुओं को अल्पसंख्यक बनाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है ताकि उनका वोट बैंक मजबूत रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब शरणार्थी हिंदुओं को नागरिकता देने की बात आती है तो टीएमसी उसका विरोध करती है, क्योंकि वह उन्हें अपना वोट बैंक नहीं मानती। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण का भी टीएमसी इसलिए विरोध करती है ताकि घुसपैठियों और मृत लोगों के नाम वोटर सूची से हटाए न जा सकें। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार की राजनीति का आधार डर और धमकी है। चुनाव में वोटरों को डराया जाता है, सरकार की आलोचना करने वालों को धमकाया जाता है और मीडिया तथा विपक्ष को दबाने की कोशिश की जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी के गुंडागर्दी के दिन खत्म होने वाले हैं और भाजपा की सरकार बनने के बाद कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि अपराधियों, घुसपैठियों और तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों के लिए केवल जेल ही जगह होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार में सबसे ज्यादा दलित, आदिवासी और गरीब लोग प्रताड़ित हुए हैं। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के हालिया दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि जब वह संथाल आदिवासी परंपरा के पावन उत्सव में शामिल होने बंगाल आई थीं तो राज्य सरकार ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया और व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त छोड़ दिया। मोदी ने कहा कि यह केवल राष्ट्रपति का नहीं, बल्कि देश के करोड़ों आदिवासियों और महिलाओं का अपमान है तथा यह संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर की भी अवमानना है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर संवैधानिक संस्थाओं पर हमला करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब भी चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाता है या मतदाता सूची के शुद्धिकरण की बात करता है, तब टीएमसी उसके खिलाफ हमला करने लगती है और उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है।

केंद्र ने सोनम ...

किया था। वांगचुक इस अधिनियम के तहत निर्धारित हिरासत अवधि का लगभग आधा समय बिता चुके हैं। सरकार ने कहा कि वह लद्दाख में विभिन्न हितधारकों और समाज के नेताओं के साथ सक्रिय रूप से संवाद कर रही है ताकि क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं और चिंताओं का समाधान किया जा सके। बयान में कहा गया कि बंद और विरोध प्रदर्शनों के मौजूदा माहौल ने छात्रों, नौकरी चाहने वालों, व्यापारियों, पर्यटन संचालकों और पर्यटकों सहित समाज के कई वर्गों को प्रभावित किया है और इससे लद्दाख की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। सरकार ने उम्मीद जताई कि उच्चाधिकार समिति और अन्य उपयुक्त मंचों के माध्यम से रचनात्मक सहयोग और संवाद के जरिए क्षेत्र से जुड़े मुद्दों का समाधान निकाला जा सकेगा। साथ ही सरकार ने लद्दाख की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई है। उल्लेखनीय है कि वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो ने उनकी हिरासत को अवैध और मनमाना बताते हुए उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। इस मामले की सुनवाई अभी चल रही है। सरकार ने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की याचिका पर 17 मार्च को सुनवाई से तीन दिन पहले लिया है। वांगचुक लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर लेह में आंदोलन कर रहे थे। इस दौरान 24 सितंबर 2025 को उनका आंदोलन हिंसक हो गया था। इन प्रदर्शनों में 4 लोगों की मौत हुई थी। 85 से अधिक लोग घायल हुए थे। दो दिन बाद 26 सितंबर को एनएसए के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उन्हें राजस्थान के जोधपुर सेंट्रल जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। एनएसए सरकार को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद/हिरासत में रखा जा सकता है।

डिब्रूगढ़ में घरेलू एलपीजी ...

उल्लंघन करता है, बल्कि वास्तविक घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कृत्रिम कमी भी पैदा करता है, जिससे जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस आदेश में जिले के भीतर संचालित सभी रेस्तरां, होटल, ढाबे, खानपान सेवा प्रदाता, चाय की दुकानें, स्ट्रीट फूड विक्रेता और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को खाना पकाने या किसी अन्य वाणिज्यिक गतिविधि के लिए घरेलू एलपीजी सिलेंडर का उपयोग न करने का सख्त निर्देश दिया गया है। इसके बजाय, ऐसे प्रतिष्ठानों को निर्धारित मानदंडों के अनुसार अधिकृत वितरकों के माध्यम से प्राप्त वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों का उपयोग करना होगा। आदेश में आगे कहा गया है कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग करने वाले किसी भी व्यक्ति या प्रतिष्ठान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसमें सिलेंडरों की जब्ती, अभियोजन और आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा अन्य लागू कानूनों के तहत अन्य दंडात्मक उपाय शामिल हो सकते हैं। निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए, जिला प्रशासन ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित असम पुलिस, साथ ही सहायक आयुक्तों, सर्कल अधिकारियों, कार्यकारी मजिस्ट्रेटों, खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के विभाग के अधिकारियों, नगर निगम अधिकारियों और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों को नियमित जांच करने और आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, जिले के भीतर कार्यरत एलपीजी वितरकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति व्यावसायिक उपयोग के लिए न की जाए और ऐसे किसी भी दुरुपयोग की सूचना जिला प्रशासन को दी जाए। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और अधिकारियों द्वारा आगे के निर्देश जारी होने तक लागू रहेगा। शिवसागर संवाददाता ने बताया: शिवसागर जिला आयुक्त मृदुल यादव ने गुरुवार को सुकाफा भवन में आयोजित एक बैठक में मध्य पूर्व में बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर जिले में पेट्रोलियम उत्पादों की कमी के संबंध में गलत जानकारी फैलाने के खिलाफ चेतावनी दी। यादव ने संबंधित अधिकारियों और वितरकों के साथ जिले में एलपीजी और पेट्रोलियम के भंडार और वितरण नेटवर्क की स्थिति का जायजा लिया।

सिंगरौली में अडाणी ...

हुई है और प्रबंधन ने कुछ समय तक शव छिपाने की कोशिश की जबकि कंपनी प्रबंधन और जिला प्रशासन का दावा है कि मजदूर की मौत देर रात हार्ट अटैक से हुई। शनिवार सुबह मजदूर की मौत की खबर फैलते ही प्लांट में काम कर रहे श्रमिकों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में खड़ी कंपनी अधिकारियों की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों में तोड़फोड़ की, कई वाहनों को पलट दिया और आग लगा दी। बधौरा पुलिस चौकी प्रभारी की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि हंगामे के दौरान कुछ मजदूरों ने कंपनी के एक कर्मचारी के साथ मारपीट भी की। हालात बिगड़ते देख कई कर्मचारी प्लांट के अंदर सुरक्षित स्थानों पर छिप गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। एसडीएम, तहसीलदार, एडिशनल एसपी सहित करीब 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी प्लांट परिसर में तैनात किए गए। फिलहाल स्थिति पर काबू पा लिया गया है।

मणिपुर में विस्फोट, चार ...

बम जैसी एक गेंद लाया। जब पिता ने उसे फेंकने की कोशिश की, तो वह फिसलकर गिर गए। उसी समय बम फट गया। जब बम फटा, तब कलिंगमपो पास में ही थे। घायल बच्चे और उसके पिता थुआनकुंगम पामे को जिला अस्पताल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल के डॉक्टर ने बच्चे कलिंगमपो को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल पिता थुआनकुंगम को बेहतर इलाज के लिए इंफाल के राज मेडिसिटी अस्पताल में रेफर कर दिया। पता चला है कि थुआनकुंगम के दोनों पैरों में चोटें आई हैं। अभी यह साफ नहीं है कि यह विस्फोटक कहां से आया। राज्य पुलिस हेडक्वार्टर के एक ऑफिशियल सोर्स ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

ईरान-इजरायल तनाव ...

लेबनान और इजरायल सहित कई देशों में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। साथ ही ईंधन की बढ़ती कीमतों, मानवीय सहायता में व्यवधान और खाड़ी देशों में प्रवासी कामगारों को प्रभावित करने वाली आर्थिक कठिनाइयों जैसे वैश्विक परिणामों पर भी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि भारत, अन्य प्रभावशाली देशों के साथ मिलकर, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरा सकता है और इस संघर्ष को समाप्त करने पर जोर दे सकता है। उन्होंने कहा कि संकट को व्यापक क्षेत्रीय युद्ध में तब्दील होने से रोकने के लिए विश्व नेताओं को संवाद, बातचीत और अंतर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान को बढ़ावा देना चाहिए।

पांच साल तक ...

इलाही ने कहा कि नहीं। बिल्कुल नहीं। ईरान इस समय उनके साथ बातचीत नहीं करना चाहता क्योंकि उन्होंने ही यह युद्ध शुरू किया है। और हमें उनके साथ अनुभव है। दो बार जब हम उनके साथ बातचीत कर रहे थे, तब उन्होंने हम पर हमला किया। उन्होंने हमें निशाना बनाया। इलाही ने कहा कि तेहरान अपने दुश्मनों के सामने नहीं झुकेगा और जरूरत पड़ने पर लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष के लिए तैयार है। ईरान और इराक के बीच संघर्ष से तुलना करते हुए प्रतिनिधि ने कहा कि ईरान को लंबे युद्ध का अनुभव है। उन्होंने कहा कि मुझे इस युद्ध की कोई समयसीमा नहीं पता। लेकिन मैं इतना जानता हूं कि ईरान इस युद्ध को अंत तक, यहां तक कि पांच साल तक भी जारी रखने के लिए तैयार है। और हमें युद्ध का अनुभव है। उस समय ईरान और इराक के बीच आठ साल के युद्ध का हमें अनुभव था। और हम तैयार हैं। और अगर आप ईरान की सड़कों पर जाएंगे, तो आप देखेंगे कि सभी लोग वहां मौजूद हैं और प्रतिशोध के नारे लगा रहे हैं। वे कहते हैं कि हम अपना खून देने को तैयार हैं, लेकिन अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं। इलाही ने यह भी कहा कि ईरान ने क्षेत्र में तनाव बढ़ने से रोकने के कई प्रयास किए हैं और पड़ोसी देशों से मध्य पूर्व में संघर्ष को रोकने में मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि हम युद्ध नहीं चाहते थे। हमने कई बार इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार के युद्ध को टालने का प्रयास किया। हमने अपने पड़ोसियों को यह भी सूचित किया था कि उन्हें इस युद्ध क्षेत्र से दूर रहने का प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह क्षेत्र अब और युद्ध बर्दाश्त नहीं कर सकता। उन्होंने मौजूदा संघर्ष पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह संघर्ष न केवल ईरान के लोगों को प्रभावित कर रहा है बल्कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और व्यापक आर्थिक प्रभावों का हवाला देते हुए यह एक वैश्विक चिंता का विषय भी बन गया है।

सीएम नीतीश की सुरक्षा ...

कैंपस से बाहर भगाया जा सका। इस दौरान मौके पर कुछ देर के लिए भगदड़ जैसी स्थिति भी बन गई और बड़ी संख्या में पुलिस बल उसे काबू में करने में जुटा रहा। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बीच आखिर सांड हेलीपैड परिसर तक कैसे पहुंच गया। हालांकि, बाद में स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया गया और कार्यक्रम की तैयारियां जारी रहीं। फिलहाल, प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सभी सुरक्षा इंतजाम पुख्ता किए गए हैं। सीएम नीतीश कुमार शनिवार को अपनी *समृद्धि यात्रा* के तीसरे चरण के दौरान बेगूसराय में रिलायंस इंडस्ट्रीज के *कैम्पा कोला* बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखनी है। यह इस जिले में एक बड़ा औद्योगिक निवेश होगा। इस प्लांट को बनाने में लगभग 1,000 करोड़ रुपए की लागत आएगी और यह असुरारी स्थित बीआईएडीए परिसर में 35 एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इस बेवरेज यूनिट का संचालन ईपीआईसी एग्रो प्रोडाक्ट्स द्वारा किया जाएगा। उम्मीद है कि इस प्लांट में हर साल 200 मिलियन बोतलें तैयार होंगी और इससे 1,500 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा।

कार्बी आंग्लांग में पेड़ से ...

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना लक्खीजान इलाके में हुई, जो बोकाजान थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है। बस मोइराबाड़ी (जिला मोरीगांव जिला) से डिमापुर की ओर जा रही थी। सभी एक मोड़ पर मुड़ते समय चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे बस सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से जोरदार तरीके से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अब्दुल बारेक, खलील रहमान, शबीना सुल्ताना और अलाउद्दीन के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे में घायल हुए 10 यात्रियों को उपचार के लिए डिमापुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक आशंका है कि मोड़ पर बस की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे यह दुर्घटना हुई।

नोनी में बम विस्फोट में एक नाबालिग लड़के की मौत पिता गंभीर रूप से घायल

इंफाल। खबरों के मुताबिक, शनिवार को मणिपुर के नोनी जिले में हुए एक दुखद घटना में बम विस्फोट में एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई और उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। खबरों के मुताबिक, मृतक बच्चे की पहचान तीन वर्षीय कलाइंगम पामेई के रूप में हुई है। विस्फोट की तीव्रता के कारण बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। घायल पिता की पहचान 40 वर्षीय थुआनकुंगम पामेई के रूप में हुई है। सूत्रों के अनुसार, यह घटना तब घटी जब पिता ने बच्चों द्वारा घर लाए गए बम को निष्क्रिय करने का प्रयास किया, जो उसके फिसलने और गिरने के बाद फट गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट में वह बुरी तरह घायल हो गया, उसके दोनों पैर घुटनों से चकनाचूर हो गए। बच्चे की मौके पर ही कई चोटों के कारण मौत हो गई, और उसके गंभीर रूप से घायल पिता को नोनी के खौपम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार देने के बाद इम्फाल के आरआईएमएस अस्पताल ले जाया गया।

चाय बागान मालिक संग फाइव स्टार होटल में पूर्व सीएम ने किया था लेन-देन : भाजपा

कांग्रेस के गठबंधन की तुलना कीचड़ भरे पानी में अंडे सेने के समान

गुवाहाटी (हिंस)। चाय बगानों के बहुराष्ट्रीय मालिकों के साथ समझौता करके कांग्रेस पार्टी ने मजदूरों का शोषण और उत्पीड़न करने के साथ-साथ उन्हें सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री तरूण गोगोई ने अपने 15 साल के कार्यकाल में 10 से अधिक बार चाय बागानों के मालिकों के साथ कोलकाता के पांच सितारा जुड़े होटल आईटीसी सोनार बंगला, होटल पियर्लेस आदि में गुप्त बैठकें करके लेन-देन करने की बातें उस समय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थीं। नियोक्ताओं के साथ गठबंधन के कारण ही कांग्रेस पार्टी ने कभी भी मजदूरों की समस्याओं को हल करने की कोशिश नहीं की। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने असम के चाय श्रमिकों को भूमि के पट्टे सौंपकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है, जिसे *ग्रीन गोल्ड* के नाम से जाना जाता है। यह कदम निश्चित रूप से

असम की सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक व्यवस्था की दिशा को बदल देगा। यह बातें प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा ने कही। भाजपा के प्रदेश मुख्यालय अटल बिहारी बाजपेयी भवन में शनिवार को प्रवक्ता प्रांजल कलिता के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रंजीव कुमार शर्मा ने साथ ही कहा कि कांग्रेस का मूल दर्शन है शोषण और उत्पीड़न। इसके विपरीत भाजपा की सोच है समाज के सभी स्तरों के लोगों को उठाकर राष्ट्र निर्माण के काम में संलग्न करना। इसलिए देश के प्रधानमंत्री श्रमिकों के चरणों में सेवा अर्पित कर मिट्टी के पट्टे का शुभारंभ करते हैं और कांग्रेस के शीर्ष नेता अपनी पार्टी के कार्यकर्ता को सेल्फी लेने की अनुमति नहीं देते। कांग्रेस और भाजपा का यही अंतर है। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता रंजीव कुमार शर्मा ने कांग्रेस नेतृत्व में मोर्चा गठन के लिए चल रही गुटबाजी को लेकर कहा कि कांग्रेस के गठबंधन की तुलना कीचड़ भरे पानी में अंडे सेने से की जा सकती है। कांग्रेस दल ने अपने सहयोगी दलों को कभी आवश्यक सम्मान देने का कोई उदाहरण नहीं दिया है। इस दल ने सहयोगियों का केवल राजनीतिक रूप से इस्तेमाल किया और समय आने पर दल से निकाल दिया। अखिल गोगोई इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ऐसे उदाहरण राष्ट्रीय स्तर पर भी देखे जाते हैं। शर्मा का मानना है कि कांग्रेस ने कभी सम्मानजनक स्थिति में मित्रता करने का कोई उदाहरण नहीं दिया है।

सीबीआई ने असम में एसबीआई के सहायक प्रबंधक को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया

गुवाहाटी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने असम में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के एक अधिकारी को छत पर सौर पैनल लगाने के लिए ऋण आवेदनों की प्रक्रिया कराने के इच्छुक ग्राहक से कथित तौर पर रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अभिषेक सेन गुप्ता के रूप में हुई है, जो कामरूप (ग्रामीण) जिले के गुमी स्थित एसबीआई शाखा में सहायक प्रबंधक-सह-ऋण अधिकारी के पद पर तैनात है। शुक्रवार को जारी सीबीआई के बयान के अनुसार, उसे शिकायतकर्ता से 16,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया था। यह मामला 12 मार्च को दर्ज किया गया था, जब शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि बैंक अधिकारी ने छत पर सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता चाहने वाले ग्राहकों के ऋण आवेदनों को संसाधित करने के लिए अवैध भुगतान के रूप में राशि की मांग की थी। आरोपों की पुष्टि करने के बाद, सीबीआई ने जाल बिछाया और रिश्वत लेते समय अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद, जांच के हिस्से के रूप में आरोपी के परिसर में तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार बैंक अधिकारी को गुवाहाटी में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले की जांच जारी है। इस सप्ताह की शुरुआत में एक अलग घटनाक्रम में, सीबीआई ने दिल्ली में

रिश्वतखोरी के एक मामले में अपने ही एक इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया, जो सार्वजनिक संस्थानों के भीतर भ्रष्टाचार के खिलाफ एजेंसी के रुख को रेखांकित करता है। इंस्पेक्टर दीपक फाल्सवाल को 10 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, उन पर आरोप था कि उन्होंने एजेंसी में कथित तौर पर दर्ज कराई गई शिकायत पर कार्रवाई न करने के बदले में एक निजी व्यक्ति से अवैध रिश्वत की मांग की थी। शिकायत के बाद सीबीआई ने आंतरिक जांच शुरू की और बाद में अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया। खबरों के मुताबिक, फाल्सवाल के आवास पर तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड बरामद हुए। इसके बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जिसने सीबीआई को आगे की पूछताछ के लिए दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

असम भाजपा उम्मीदवारों की सूची 18 मार्च के बाद आ सकती है : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने शनिवार को बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नई दिल्ली में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की अहम बैठकों के बाद संभवत: 18 मार्च के बाद आगामी असम विधानसभा चुनावों के लिए अपने बहुप्रतीक्षित उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर सकती है। एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने मीडिया से बातचीत करते हुए संकेत दिया कि उम्मीदवारों के चयन को लेकर चर्चा 17 मार्च को नई दिल्ली में एक अहम बैठक होने की उम्मीद है। दिलीप सैकिया ने कहा कि हमारी दिल्ली में एक बैठक है, जो शायद 17 मार्च को होगी। 17 मार्च को हमारी चुनाव समिति की बैठक और संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद, या शायद 18 मार्च को, केंद्रीय पार्टी उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करेगी। इन बैठकों में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व और पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है, जो उम्मीदवारों के अंतिम चयन पर विचार-विमर्श करेंगे। पार्टी की चुनाव समिति की बैठक और संसदीय बोर्ड की बैठक के दौरान लिए गए निर्णय ही उन अंतिम नामों को तय करेंगे जिनकी घोषणा की जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद दिलीप सैकिया ने बताया कि भाजपा नेतृत्व आगामी राजनीतिक मुकाबले की तैयारियों के तहत परामर्श और आंतरिक चर्चाएं कर रहा है।

विधायक रबीराम नार्जारी ने आठ विकासात्मक परियोजनाओं का किया शिलान्यास

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविराम नार्जारी ने शनिवार को विभिन्न विकासात्मक कार्यों के तहत कुल आठ परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में एक विद्यालय भवन के निर्माण के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण कार्य शामिल हैं, जो क्षेत्र में आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने में सहायक होंगे। जानकारी के अनुसार, कोकराझाड़ वेस्ट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत फकीराग्राम परिषद क्षेत्र में गुवाबाड़ी-बहादुरपाड़ा संपर्क मार्ग तथा काशिबाड़ी पाखिरीरतल को जोड़ने के लिए लस्का नदी पर पुल निर्माण कार्य

का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा काचुगांव परिषद क्षेत्र के अमीनाकाटा हायर सेकेंडरी स्कूल में नए विद्यालय भवन के निर्माण की आधारशिला भी रखी गई। इसी क्रम में गुमा परिषद क्षेत्र के अंतर्गत ताजपुर-बंगलाबाड़ी पुल, बाबूबिल-नालुबस्ती पुल तथा गुवाबाड़ी-गोसाईगांव पुल के निर्माण कार्यों की भी आधारशिला रखी गई। साथ ही काचुगांव परिषद क्षेत्र में अहमदपुर-हंसबिल पुल निर्माण परियोजना का भी शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर डॉ. रेजाउल करीम दिलदार अली समेत बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के कई केंद्रीय नेता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इन विकासात्मक परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा में सुधार होगा तथा शिक्षा और ग्रामीण विकास को भी नई गति मिलेगी। स्थानीय लोगों ने भी इन परियोजनाओं को क्षेत्र के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया।

आब्सू के पूर्व अध्यक्ष दीपेन बोड़ो यूपीपीएल में शामिल

उदालगुरी (हिंस)। ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) के पूर्व अध्यक्ष दीपेन बोड़ो शनिवार को औपचारिक रूप से यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) में शामिल हो गए। यह बोडोलैंड टेरिटोरियल रीजन (बीटीआर) के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। बोड़ो ने शुक्रवार को ही आब्सू अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके साथ ही इस प्रभावशाली छात्र संगठन के साथ उनका लंबा जुड़ाव समाप्त हो गया। उन्होंने उदालगुरी जिले में शनिवार को आयोजित यूपीपीएल की एक बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वे यूपीपीएल अध्यक्ष प्रमोद बोड़ो, असम के कैबिनेट मंत्री यूजी ब्रह्म और सांसद रनगौरा नार्ज़ारी की उपस्थिति में पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर पार्टी के कई अन्य नेता और समर्थक भी मौजूद थे। दीपेन बोड़ो लगभग 25 वर्षों तक आब्सू से जुड़े रहे और उन्होंने संगठन में विभिन्न पदों पर रहकर सेवा की। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने बोड़ो समुदाय के कल्याण और समग्र विकास के लिए कार्य किया।

असम कृषि विवि के नए कुलपति के रूप में दीपज्योति राजखोवा ने संभाला कार्यभार

जोरहाट (हिंस)। असम कृषि विश्वविद्यालय के नए कुलपति के रूप में शुक्रवार को औपचारिक रूप से विशिष्ट कृषि वैज्ञानिक और अनुभवी प्रशासक प्रोफेसर (डॉ.) दीपज्योति राजखोवा ने कार्यभार संभाला। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र और एक कुशल शोधकर्ता के रूप में डॉ. राजखोवा की इस नियुक्ति ने राज्य के कृषि और शैक्षणिक क्षेत्र में विशेष उत्साह पैदा किया है। शिक्षा देने, अनुसंधान और प्रशासन के क्षेत्र में 35 वर्षों से अधिक का लंबा अनुभव रखने वाले डॉ. राजखोवा ने इससे पहले मेघालय के उमियाम स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के उत्तर-पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र अनुसंधान केंद्र के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग के प्रमुख और नगालैंड के आईसीएआर केंद्र के संयुक्त निदेशक के रूप में भी सफल सेवा दी हैं। प्रोफेसर (डॉ.) राजखोवा ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए चार समन्वित कृषि प्रणालियों के मॉडल और तीन विशेष जलवायु-सहिष्णु धान की किस्मों का विकास करने के साथ-साथ उत्तर-पूर्व क्षेत्र में केर-सार की तकनीक के प्रचार-प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने 48.30 करोड़ रुपए की लागत वाले *जलवायु-सहिष्णु कृषि के राष्ट्रीय उपाय* (एनआईसीआरए) नामक बड़े प्रोजेक्ट के मुख्य समन्वयक के रूप में सफलतापूर्वक जिम्मेदारी निभाई। कृषि विज्ञान में दिए गए अद्वितीय योगदान के साथ-साथ उन्होंने अब तक 196 शोध पत्र और 17 पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इसके अलावा, असम के विभिन्न पत्रिकाओं और दैनिक समाचार पत्रों में उनके कई कृषि संबंधी लोकप्रिय लेख प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने *इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी* का स्वर्ण पदक सहित कई राष्ट्रीय स्तर के फेलोशिप प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है। असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने राज्य के कृषि क्षेत्र को विश्व स्तर पर ले जाने और कृषक समाज के विकास के लिए निष्ठा पूर्वक काम करने का संकल्प व्यक्त किया है।

प्रद्युत देबबर्मा ने टीटीएडीसी चुनावों से पहले टिपरा मोथा पार्टी को विभाजित करने की साजिश का आरोप लगाया

अगरतला। तिप्रा मोथा पार्टी (टीएमपी) के प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के आगामी चुनावों से पहले उनकी पार्टी को अस्थिर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पश्चिम त्रिपुरा के खुमुलवंग में एक पार्टी कार्यक्रम में बोलते हुए, देबबर्मा ने दावा किया कि विधानसभा चुनावों से पहले क्षेत्रीय पार्टी को विभाजित करने की साजिश रची गई थी। उनकी ये टिप्पणी राजनीतिक हलकों में चल रही उन अटकलों के बीच आई है कि एक मंत्री सहित टीएमपी विधायकों का एक वर्ग भारतीय जनता पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा बदल सकता है। त्रिपुरा विधानसभा में वर्तमान में टीएमपी के 60 सदस्यीय दल में 13 विधायक हैं, जिनमें से दो विधायक मुख्यमंत्री माणिक साहा के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले साहा ने उन खबरों को खारिज कर दिया

था जिनमें कहा गया था कि वन मंत्री अनिमेष देबबर्मा भाजपा में शामिल होने की योजना बना रहे हैं, और इन दावों को अफवाह बताया था। किसी विशिष्ट व्यक्ति का नाम लिए बिना, देबबर्मा ने कहा कि उनके नेतृत्व को कमजोर करने और पार्टी को विभाजित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। खुद को *बुबागरा* कहकर संबोधित करते हुए, जो तिप्रसा समुदाय के सदस्यों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली उपाधि है, उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों में शामिल लोगों को *उचित उत्तर* मिलेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि चुनाव परिणाम को प्रभावित करने के लिए स्वदेशी समुदायों को धार्मिक और जातीय आधार पर विभाजित करने के प्रयास किए जा सकते हैं - जैसे कि हिंदुओं और ईसाइयों के बीच या त्रिपुरी, रियांग और मोग जैसे समूहों के बीच। देबबर्मा ने कहा कि भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवारों की घोषणा करने के तुरंत बाद टीएमपी टीटीएडीएडीसी चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी, जिससे यह संकेत मिलता है कि इस कदम से प्रतिद्वंद्वी दलों को टीएमपी नेताओं को निशाना बनाने से रोका जा सकेगा।

नागालैंड असम सीमा के साथ 9 पुलिस चौकियों की स्थापना की योजना की समीक्षा कर रहा है : उपमुख्यमंत्री

कोहिमा। नागालैंड के उपमुख्यमंत्री यंथुंगो पैटन ने कहा है कि राज्य सरकार असम-नागालैंड सीमा के किनारे सीमावर्ती गांवों में नौ नई पुलिस चौकियां स्थापित करने के प्रस्ताव की जांच कर रही है कोहिमा में 14वीं नागालैंड विधानसभा के आठवें सत्र के समापन दिवस पर विधायक अचुम्बेमो किकोन द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए पैटन, जो सीमा मामलों के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने कहा कि नागालैंड ने 1972 के अंतरिम समझौते के बाद सीमावर्ती क्षेत्रों से अपनी सभी पुलिस चौकियों को वापस ले लिया था। इसके विपरीत, उन्होंने कहा कि असम ने तब से सीमा के साथ 63 स्थायी पुलिस चौकियां स्थापित की हैं। किकॉन ने सीमा पर स्थित चुंजनफेन और लियो-लोंगचिम/लोंगाइम पुलिस चौकियों की वर्तमान स्थिति के बारे में भी जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि इलाके में हाल ही में हुई घटनाओं पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है और उन्होंने सरकार से सुरक्षा मजबूत करने के लिए अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को तैनात करने का आग्रह किया। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए पैटन ने सदन को बताया कि इलाके में एक अस्थायी पुलिस चौकी पहले ही स्थापित की जा चुकी है, जबकि एक स्थायी चौकी

स्थापित करने का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है और इसे जल्द से जल्द अपनाया जाएगा। लियो-लोंग्चिम में प्रस्तावित स्थायी पुलिस चौकी के संबंध में उन्होंने कहा कि यह मामला वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा जांच के अधीन है। उपमुख्यमंत्री ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती अभियान में चयनित उम्मीदवारों से कथित तौर पर 2,500 रुपए प्रशिक्षण शुल्क लिए जाने की अफवाहों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चयनित उम्मीदवारों से ऐसा कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

लुब्रिजोल से बने स्कीपर फ्लॉसेफ सीपीवीसी पाइप्स लांच

गुवाहाटी। स्कीपर लिमिटेड ने जो भारत में पाइपिंग समाधान क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी है, ने आज टीईएमपीआरआईटीई टेक्नॉलॉजी पावार्ड बाई लुब्रिजोल से निर्मित स्कीपर फ्लॉसेफ सीपीवीसी पाइप्स के वाणिज्यिक लॉन्च की घोषणा की। यह नया उत्पाद भारतीय प्लंबिंग उद्योग में विश्व-स्तरीय सीवीपीवी मटेरियल साइंस को लेकर आता है, जो आवासीय, वाणिज्यिक और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए अधिक सुरक्षित, टिकाऊ और प्रभावी समाधान प्रदान करता है। फ्लॉसेफ सीपीवीसी पाइप्स लुब्रिजोल टीईएमपीआरआईटीई सीपीवीसी मेटरिएल से निर्मित किया गया है, जिसे जल वितरण प्रणालियों में विश्वसनीयता और प्रदर्शन के वैश्विक मानक के रूप में जाना जाता है। यह नई रेंज उच्च गुणवत्ता वाले प्लंबिंग समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विकसित की गई है, जिससे सुरक्षित पेयजल आपूर्ति, लंबे समय तक टिकाऊ प्रदर्शन और उच्च तापमान व दबाव की परिस्थितियों में भी भरोसेमंद उपयोग सुनिश्चित हो सके। पानी की गुणवत्ता और इंफ्रास्ट्रक्चर की विश्वसनीयता को लेकर बढ़ती जागरूकता के बीच फ्लॉसेफ सीपीवीसी पाइप्स का लॉन्च, स्कीपर की उस प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है जिसके तहत कंपनी उन्नत पाइपिंग सिस्टम उपलब्ध कराती है, जो स्वच्छ जल प्रवाह, मजबूत प्लंबिंग सिस्टम और जीवनचक्र के दौरान कम रखरखाव लागत सुनिश्चित करते हैं।

चार पहिया वाहन कंटेनर से टकराया, एक की मौत और दो घायल

बजाली (हिंस)। बजाली जिले में पाठशाला फ्लाईओवर पर एक चार-पहिया वाहन के एक खड़े मालवाहक कंटेनर से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। पाठशाला पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब धुबड़ी जिले से गुवाहाटी की ओर जा रहा वाहन, फ्लाईओवर पर खड़े एक मालवाहक कंटेनर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन में सवार लोगों में से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को गंभीर चोटें आईं। मृतक की पहचान गौतम मुर्तजा चाकी के रूप में हुई है, जो धुबड़ी जिले के बिलासीपारा स्थित आनंदपुर का रहने वाला था। घटना के तुरंत बाद पाठशाला पुलिस थाने की पुलिस दुर्घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए पास के एक अस्पताल में ले जाया गया।

मिजोरम 17 से असम राइफल्स की खाली की गई जमीन पर विकास कार्य करेगा शुरू

एजल। मिजोरम के शहरी विकास और गरीबी उन्मूलन मंत्री के सपडांगा ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में घोषणा की कि ऐजोल में असम राइफल्स द्वारा खाली की गई भूमि पर बुनियादी ढांचा विकास का काम जल्द ही शुरू होगा प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सपडांगा ने कहा कि ट्रेजरी स्क्वायर और बाजार बुंगकवन के बीच लगभग एक किलोमीटर लंबे व्यस्त मार्ग को चौड़ा करने का काम 17 मार्च से शुरू होगा। राज्य की राजधानी में सबसे बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं में से एक, सड़क विस्तार का उद्देश्य लगातार बनी रहने वाली यातायात की भीड़ को कम करना है। मंत्री ने कहा कि इस परियोजना में मौजूदा सड़क की खुदाई और समतलीकरण शामिल होगा ताकि 50 फीट की एक समान चौड़ाई बनाई जा सके। एजल के सबसे व्यस्त गलियारों में से एक माने जाने वाले इस हिस्से के चौड़ीकरण से यात्रियों के लिए यातायात की आवाजाही में काफी सुधार होने की उम्मीद है। सपडांगा ने सदन को यह भी बताया कि अर्धसैनिक बल द्वारा खाली की गई भूमि के उपयोग के संबंध में मार्गदर्शन हेतु एक

सलाहकार समिति का गठन किया गया है। इस समिति में राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों, चर्च के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि शामिल हैं और इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री लालदुहोमा कर रहे हैं। व्यापक पुनर्विकास योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार का इरादा खाली पड़ी जमीन और इमारतों को एक आधुनिक सार्वजनिक स्थान में बदलने का है, साथ ही ऐतिहासिक महत्व के तत्वों को भी संरक्षित करना है। क्वार्टर गार्ड और लोच हाउस जैसी संरचनाओं को उनके विरासत मूल्य के कारण संरक्षित रखा जाएगा, जबकि ऐतिहासिक महत्व के बिना अन्य इमारतों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। जोडिन क्षेत्र में स्थित मंदिर को स्थानांतरित किया जाएगा ताकि क्षेत्र में प्रस्तावित हरित क्षेत्र के हिस्से के रूप में एक सार्वजनिक पार्क के विकास के लिए जगह बनाई जा सके। सपडांगा ने आगे कहा कि पूर्व असम राइफल्स सिनेमा हॉल के स्थल पर एक विशाल बहुउद्देशीय परिसर बनाने की योजना है। इस सुविधा में चार मंजिला पार्किंग संरचना होगी जिसमें हजारों वाहन पार्क किए जा सकेंगे। पार्किंग तल के ऊपर, 2,000 लोगों की बैठने की क्षमता वाला एक मुख्य सभागार बनाया जाएगा, जिसका नाम *वनापा हॉल* रखा जाएगा, साथ ही लगभग 500 लोगों की बैठने की क्षमता वाले कई छोटे हॉल भी बनाए जाएंगे। विधानसभा भवन के पास स्थित मौजूदा वनापा हॉल को नए परिसर के पूरा होने के बाद अन्य आवश्यक उपयोगों के लिए पुन: उपयोग में लाया जाएगा। इसी बीच, विपक्ष के नेता लालछंदमा राल्ते के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने विधानसभा को सूचित किया कि केंद्र ने 5.23 करोड़ रुपए की वह राशि माफ कर दी है जो राज्य सरकार को असम राइफल्स को एजल में बल द्वारा खाली किए गए भवनों और बुनियादी ढांचे की मूल्यह्रास लागत के रूप में देनी थी।

संपादकीय

बयान और हकीकत के बीच

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने लोकसभा में वक्तव्य देकर देश को आश्वस्त करने की कोशिश की कि कच्चा तेल, पेट्रोल-डीजल, गैस, मिट्टी का तेल और विमानन टरबाइन ईंधन की कोई कमी नहीं है। तेल के पर्याप्त भंडार हैं। हम 40 देशों से कच्चा तेल मंगवा रहे हैं। घरेलू गैस एलपीजी पर दहशत और घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि गैस सिलेंडर की आपूर्ति औसतन अढाई दिन में सुनिश्चित करने के आदेश हैं। सीएनजी की सप्लाई 100 फीसदी है और एलएनजी कार्गो हररोज आ रहे हैं। एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा दिया गया है। मंत्री ने जमाखोरी, कालाबाजारी का भी जिक्र किया। इससे कौन निपटेगा? गैस एजेंसियों के कर्मचारी ही सरेआम घरेलू गैस का सिलेंडर 2500-3000 रुपए में बेच रहे हैं। क्या उन पर अंकुश लगाया जा सकता है? मंत्री ने यह भी कहा कि यह 'फेक नेरेटिव' फैलाने का समय नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लगभग यही बात कही है, लेकिन वह चुनावी सभाओं में बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री या तो देश को संबोधित करें अथवा संसद में आकर बोलें, चुनावी रैलियों की बात पर जनता भरोसा नहीं करती। चूंकि मंत्री ने संसद में बयान दिया है, लिहाजा देश को विश्वास करना चाहिए, लेकिन आंखें जो यथार्थ देख रही हैं, वह क्या है? सड़कों पर लोग बिछने लगे हैं। पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ी है और गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। रसोई गैस गायब है और अनिश्चित है कि सिलेंडर कब मिलेगा? घर की रसोई में खाना बनेगा अथवा नहीं! तेल कंपनियों ने एलपीजी सिलेंडर को 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर को 114.5 रुपए महंगा क्यों किया? युद्धकाल में ही महंगा क्यों किया गया? इससे भी संवेदनशील सच यह है कि अयोध्या में 'राम रसोई' को बंद करना पड़ा है, जहां औसतन 20,000 से 30,000 लोग रोजाना मुफ्त खाना खाते थे। हालांकि विकल्प तलाशे जा रहे हैं। मुंबई के 'सिद्धिविनायक मंदिर' में इंडक्शन चूल्हे पर प्रसाद आदि बनाया जा रहा है। बेंगलुरु के 'बनशंकरी मंदिर' में प्रसाद बंद करना पड़ा है। दिल्ली उच्च न्यायालय की रसोई बंद कर दी गई है। कुछ पैकबंद और फ्रूट चाट आदि परोसे जा रहे हैं। 'शताब्दी एक्सप्रेस' ट्रेन के कुछ रूट पर गरम, ताजा खाना नहीं मिला, बल्कि पैकबंद खाना परोसा गया। छोटे ढाबे या तो बंदी के कगार पर हैं अथवा उन्होंने एक-दो भोजन बनाने तक ही सीमित कर लिया है। वे डीजल की भ_ी जला रहे हैं। घोर प्रदूषण...! मुंबई के 50 फीसदी होटल, रेस्तरां भी तालाबंदी की सोच रहे हैं। तमिलनाडु में यह आंकड़ा करीब 10,000 है। अर्थव्यवस्था को झटके लग रहे हैं और रोजगार भी छिन रहा है। इनकी भरपाई कैसे होगी? दरअसल यह भारत का औसतन ऊर्जा-सच है। कई उदाहरण सामने आ रहे हैं, क्योंकि कमर्शियल गैस भी उपलब्ध नहीं है। भारत 60-66 फीसदी गैस आयात करता है। अब हम 22 लाख टन गैस अमरीका से आयात करेंगे, लेकिन वह गैस 45 दिन के बाद भारत पहुंचेगी। खाड़ी देशों ने युद्ध के कारण आपूर्ति रोक दी है, उत्पादन भी बहुत कम कर दिया है। ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बिल्कुल बंद कर दिया है। पानी के नीचे बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। ईरानी सैनिक तेल के जहाजों पर हमले कर उन्हें भस्म कर रहे हैं। दिलचस्प तथ्य सामने आया है कि हम मात्र पौने दो दिन की गैस का ही भंडारण कर सकते हैं। उसके लिए विशाखापट्टनम और मंगलुरु में ही मात्र दो भूमिगत भंडारण की गुफाएं हैं। देश की आबदी 147 करोड़ से अधिक और गैस भंडारण की मात्र दो गुफाएं...! कितने पराश्रित और अधूरे हैं हम! पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी आश्वस्त किया है कि रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, लिहाजा 50 लाख एलपीजी सिलेंडर की रोजाना आपूर्ति की जा रही है। होटल, रेस्तरां वालों को वैकल्पिक ईंधन इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। उससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ेगा और प्रदूषण भी अधिक होगा, भारत उसका क्या जवाब देगा? भारत 'पेरिस संधि' का एक सदस्य है और उसे तय समय-सीमा में उत्सर्जन कम करना है। बहरहाल मंत्री कुछ भी कहें, लेकिन भारत में ऊर्जा-संकट साक्षात दिखाई दे रहा है। जगह-जगह लोग खाली सिलेंडरों के साथ घरों को लौट रहे हैं और गैस एजेंसियों के आगे लोगों की लंबी-लंबी कतारें दिख रही हैं। शहरी क्षेत्रों में समस्याएं ज्यादा आ रही हैं।

तेल के पर्याप्त भंडार हैं। हम 40 देशों से कच्चा तेल मंगवा रहे हैं। घरेलू गैस एलपीजी पर दहशत और घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि गैस सिलेंडर की आपूर्ति औसतन अढाई दिन में सुनिश्चित करने के आदेश हैं। सीएनजी की सप्लाई 100 फीसदी है और एलएनजी कार्गो हररोज आ रहे हैं। एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा दिया गया है। मंत्री ने जमाखोरी, कालाबाजारी का भी जिक्र किया। इससे कौन निपटेगा? गैस एजेंसियों के कर्मचारी ही सरेआम घरेलू गैस का सिलेंडर 2500-3000 रुपए में बेच रहे हैं। क्या उन पर अंकुश लगाया जा सकता है? मंत्री ने यह भी कहा कि यह 'फेक नेरेटिव' फैलाने का समय नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी लगभग यही बात कही है, लेकिन वह चुनावी सभाओं में बोल रहे हैं। प्रधानमंत्री या तो देश को संबोधित करें अथवा संसद में आकर बोलें, चुनावी रैलियों की बात पर जनता भरोसा नहीं करती। चूंकि मंत्री ने संसद में बयान दिया है, लिहाजा देश को विश्वास करना चाहिए, लेकिन आंखें जो यथार्थ देख रही हैं, वह क्या है? सडकों पर लोग बिछने लगे हैं। पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ी है और गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लगी हैं।

चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई।

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन-मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे-धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार

निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है। दुनिया के अनेक देशों में इस विषय पर गंभीर नैतिक और कानूनी बहस चलती रही है। कई देशों ने इसे सीमित परिस्थितियों में कानूनी मान्यता दी है, जबकि कई अन्य देशों में इसके दुरुपयोग की आशंका के कारण इसे स्वीकार नहीं किया गया है। भारत में भी यह विषय संवेदनशील बना हुआ है, क्योंकि यहां पारिवारिक संबंधों, धार्मिक मान्यताओं और सामाजिक भावनाओं की भूमिका अत्यंत गहरी है। इसी संदर्भ में जैन धर्म में प्रचलित संथारा या सल्लेखना की परंपरा भी कई बार चर्चा में आती रही है। जैन दर्शन में इसे मृत्यु का महोत्सव कहा गया है। संथारा का अर्थ है-जीवन के अंतिम चरण में धीरे-धीरे आहार और शरीर की आसक्तियों का त्याग करते हुए, शांति एवं समाधिपूर्वक मृत्यु को स्वीकार करना। जैन आचार विचार में इसे आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का सर्वोच्च रूप माना गया है। संथारा और आधुनिक इच्छामृत्यु के बीच अंतर भी है और समानताएं भी। संथारा का आधार आध्यात्मिक साधना और वैराग्य है, जबकि आधुनिक इच्छामृत्यु का आधार चिकित्सा विज्ञान और मानवीय पीड़ा से मुक्ति का विचार है। फिर भी दोनों के केंद्र में एक समान भाव दिखाई देता है-जीवन की अंतिम अवस्था में गरिमा और स्वायत्तता का सम्मान। हालांकि इस परंपरा को लेकर भी न्यायालयों में बहस होती रही है कि क्या इसे धार्मिक स्वतंत्रता माना जाए या आत्महत्या के रूप में देखा जाए। इस बहस ने यह स्पष्ट किया है कि जीवन और मृत्यु से जुड़े प्रश्न केवल कानूनी तर्कों से हल नहीं होते, बल्कि उनमें नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयाम भी शामिल होते हैं। प्रसिद्ध गांधीवादी चिंतक विनोबा भावे ने इस परंपरा की विशेष सराहना की थी। उन्होंने कई अवसरों पर यह इच्छा भी व्यक्त की थी कि यदि संभव हो तो वे भी जीवन के अंतिम क्षणों में इसी प्रकार की शांत, संयमित और जागरूक मृत्यु प्राप्त करना चाहेंगे। इसीलिए हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि संविधान की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदनशील व्याख्या में निहित है। जब न्यायपालिका जीवन के अधिकार की व्याख्या करते हुए मानवीय गरिमा और करुणा को केंद्र में रखती है, तब वह केवल कानून का पालन नहीं करती, बल्कि समाज को अधिक संवेदनशील और मानवीय दिशा भी प्रदान करती है। यह भी सच है कि भारत में इच्छामृत्यु को लेकर अभी तक कोई समग्र और स्पष्ट कानून नहीं है। न्यायालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद परिवारों और चिकित्सकों को कई बार जटिल प्रक्रियाओं और कानूनी आशंकाओं का सामना करना पड़ता है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं इस विषय पर एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया है। ऐसा कानून बनाते समय दो महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना होगा। पहली, यह कि असाध्य रोगियों को अनावश्यक पीड़ा से मुक्ति मिल सके। दूसरी, यह कि किसी प्रकार के दबाव, स्वार्थ या आर्थिक कारणों से किसी व्यक्ति को इच्छामृत्यु के लिए विवश न किया जा सके। स्पष्ट प्रोटोकॉल, पारदर्शी चिकित्सा मूल्यांकन और रोगी की स्वायत्त इच्छा का सम्मान इस प्रक्रिया के आवश्यक तत्व होने चाहिए। निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि हरीश राणा के मामले में दिया गया निर्णय केवल एक न्यायिक आदेश नहीं है, बल्कि संवैधानिक करुणा का एक उदाहरण है। इसमें न्याय, संवेदना और मानवीय गरिमा तीनों का संतुलित रूप दिखाई देता है। वास्तव में यह निर्णय हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन का सम्मान केवल उसे लंबा खींचने में नहीं, बल्कि उसकी गरिमा को बनाए रखने में है। जब उपचार असंभव हो जाए और चिकित्सा केवल पीड़ा को बढ़ाने का माध्यम बन जाए, तब गरिमापूर्ण विदाई भी मानवीयता का ही विस्तार बन जाती है। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि भारत में इच्छामृत्यु के प्रश्न पर व्यापक सामाजिक संवाद हो और एक ऐसा संवेदनशील तथा संतुलित कानूनी ढांचा तैयार किया जाए, जो व्यक्ति को गरिमा के साथ जीने और गरिमा के साथ मरनेकृदोनों का अधिकार सुनिश्चित कर सके।

देश | दुनीया से

संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास का सच

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी देश में लोकतांत्रिक सरकारों का अजीब इतिहास लिखने में जुटी हैं। पश्चिम बंगाल सहित देश के कई राज्यों में गैर भाजपा सरकारें हैं, किन्तु देश की संवैधानिक संस्थाओं और केंद्र सरकार के साथ जिस तरह का रवैया मुख्यमंत्री बनर्जी अपना रही हैं, उससे लगता यही है कि उन्होंने तय कर रखा है कि मुद्दा चाहे जैसा भी हो, हर हाल में टकराना है। ममता की इस टकराहट से केंद्र सरकार के साथ रिश्ते कटु होते जा रहे हैं, साथ ही देश के लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी के तौर-तरीकों से लगता यही है कि उन्हें शीर्ष अदालत के आदेशों की भी परवाह नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर के लिए झारखंड और ओडिसा के जिला न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों को लगाया है, ताकि इस कार्रवाई में किसी भी पक्ष द्वारा पक्षपात का आरोप नहीं लगे। इसके बावजूद ममता सरकार हस्तक्षेप से बाज नहीं आ रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार कोलकाता पहुंचे, उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। साथ ही उनके विरोध में काले झंडे भी लहराए गए। मुख्य चुनाव आयुक्त कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर पहुंचे थे, वहां भी उनका विरोध किया गया। प्रदर्शनकारियों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए। कोलकाता में करीब तीन जगहों पर विरोध प्रदर्शनों का सामना किया। विरोध प्रदर्शनों के बीच ज्ञानेश कुमार ने चुनावी राज्य में लाखों बंगाली भाषी नागरिकों का दिल जीतने की कोशिश की। देश में इससे पहले ऐसा रवैया किसी भी राज्य की सरकार ने चुनाव आयोग के साथ नहीं अपनाया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अगले दो महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा के लिए वहां पहुंचे। सीएम ममता बनर्जी और अन्य टीएमसी नेताओं ने चुनाव आयोग पर एसआईआर के बाद मतदाता सूची से वोटर्स के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए तीन दिन तक धरना दिया। पश्चिम बंगाल में इस तरह की हरकतें तब हो रही हैं, जब सुप्रीम कोर्ट न्यायिक निगरानी में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को अंजाम देने में जुटा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ममता सरकार के प्रति नाराजगी तक जाहिर कर चुका है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती दी गई। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को बार-बार कोर्ट न आने की सलाह दी थी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने नाराज होकर पूछा, 'क्या सुप्रीम कोर्ट के पास पश्चिम बंगाल के एसआईआर के अलावा सुनने के लिए कुछ और नहीं है?' इससे पहले भी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने से जुड़े मामलों की सुनवाई में मुख्य न्यायाधीश ने राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। उन्होंने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सभी पक्षों को चेताया और कहा कि न्यायिक अधिकारियों पर सवाल उठाने की हिम्मत न करें। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि हमें पता था कि जैसे ही न्यायिक अधिकारियों को नियुक्त किया जाएगा, आप लोग पीछे हट जाएंगे। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने हमें बताया कि 10 लाख मामलों का निपटारा हो चुका है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी से मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि ऐसे आवेदन दाखिल करने की हिम्मत कैसे हुई? मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि आपका आवेदन समय से पहले दायर किया गया है और इससे ऐसा लगता है कि आपको न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा नहीं है। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने अदालत को बताया कि करीब 7 लाख दावों का निपटारा न्यायिक अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है, जबकि पहले 63 लाख दावे विचाराधीन थे और अब करीब 57 लाख मामले शेष हैं। इस पर वरिष्ठ वकील गुरुस्वामी ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार न्यायिक अधिकारियों पर सवाल नहीं उठा रही है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हो सकता है कि आपने सीधे तौर पर सवाल न उठाया हो, लेकिन आवेदन में सवाल उठते दिखते हैं। मुख्य न्यायाधीश के रूप में मैं इसे सहन नहीं करूंगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत को विश्वास है कि न्यायिक अधिकारी अपना काम ठीक से कर रहे हैं, लेकिन अतिरिक्त सावधानी के तौर पर राज्य सरकार को निर्देश दिया जाता है कि वह न्यायिक अधिकारियों के काम के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराए। चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी अनिवार्य कदम ऐसा न उठाया जाए जो इस प्रक्रिया को बाधित करे, जब तक कि उसे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अनुमति न मिल जाए। अदालत ने अपील की व्यवस्था पर भी स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारी के फैसले के खिलाफ किसी प्रशासनिक निकाय के समक्ष अपील नहीं होगा। इसके बजाय संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश दो पूर्व हाईकोर्ट जज या मौजूदा हाईकोर्ट जजों की बेंच गठित कर सकते हैं, जो इन अपीलों पर सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि अधिकारियों को सभी जरूरी सुविधाएं दी जाएं। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग कोई भी ऐसा नियम लागू नहीं करेगा जिससे परेशानी हो। अदालत की निगरानी में मतदाता सूची की पूरी प्रक्रिया संचालित होने के बावजूद ममता सरकार और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस चुनाव आयोग को लगातार निशाना बना रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एसआईआर के बाद मतदाता सूची से कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में चौथे दिन के धरने के दौरान भाषण दिया। ममता ने कोलकाता में एक बैठक के दौरान पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकाने का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त पर आरोप लगाया और कहा कि वह सुपरमैन और सुपर गॉड की तरह व्यवहार कर रहे हैं। सुश्री बनर्जी ने दावा किया कि श्री कुमार ने अधिकारियों को चेतावनी दी थी कि मई में विधानसभा चुनाव के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को धमकियां दी गई हैं। साहस होना अच्छी बात है, लेकिन झूठी बहादुरी नहीं। अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने कथित तौर पर कहा कि चुनाव से पहले कानून और व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और यदि अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन करने में विफल रहते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धरने से तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के हित में भगवा पार्टी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन मतदाताओं के नाम अंतिम मतदाता सूची में हैं, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने पार्टी सदस्यों से कहा कि वे भाजपा कार्यकर्ताओं को 'पकड़ें' और विरोध स्थल के पास कथित तौर पर पर्चे बांटने के आरोप में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करें।

आप का | नजरीया

भारत की जीत पर पाक की प्रतिक्रिया

भारत ने चैंपियंस ट्राफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर 12 साल बाद यह खिताब अपने नाम कर लिया है। रविन्द्र जडेजा ने 49वें ओवर की आखिरी गेंद पर चौका जड़कर जीत दिलाईं। दुबई की धीमी पिच पर न्यूजीलैंड के 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करना कोई आसान काम नहीं था लेकिन भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 83 गेंद में 76 रन की शानदार पारी खेल मजबूत बुनियाद रख दी थी। बाकी काम भारत के स्पिनर्स वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविन्द्र जडेजा ने पूरा कर दिया। इस बार की चैंपियंस ट्राफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा था। लेकिन भारत के पाकिस्तान जाने से इंकार के बाद कुछ मैच दुबई में शिफ्ट करने पड़े थे। भारत ने अपने सारे मैच दुबई में ही खेले। भारत के इस रुख को लेकर पाकिस्तान के लोग खासी नाराजगी जता रहे थे। भारत से खेलने के लिए पाकिस्तानी टीम के दुबई जाने से पहले पाक के पूर्व स्पिनर सकलैन मुस्ताक ने कहा था, मुझे उम्मीद है कि उन्हें ठीक से सबक सिखाएंगे लेकिन पाकिस्तान न तो भारत को हरा पाया, न ही टूर्नामेंट में टिक पाया और मेजबान होने के बावजूद फाइनल अपने घर में नहीं करा पाया। भारत की जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सकलैन मुश्ताक ने एक न्यूज चैनल में कहा, इस जीत का श्रेय मैं भारत से लेना नहीं चाहता था लेकिन दुनियाभर के जितने भी क्रिकेट बोर्ड हैं उन्हें आईसीसी से पूछना चाहिए कि क्या सारी चीजें निष्पक्ष तरीके से हुई हैं? कौन लाड़ला है, कौन नहीं। क्या इसी तरह भी आगे क्रिकेट चलेगा? आगे इसी तरह एशिया कप है। अब एशिया कप का मॉडल क्या होगा? खेल की भावना निकल जाएगी और क्रिकेट फिर पावर का गेम हो जाएगा। दरअसल सकलैन का कहना है कि टीम इंडिया को कहीं भी ट्रेवल्स नहीं करना पड़ा और सारे मैच दुबई के एक स्टेडियम में खेलने का फायदा मिला। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने कहा कि ठीक है कि कुछ चीजें भारत के पक्ष में थीं लेकिन इसके बावजूद सारी टीमों को हराना और इस तरह खेलना, क्रेडिट तो जाता है। रोहित ने खुद भी बढ़िया खेला और टीम को भी अच्छे से मैनेज किया। इंजमाम ने कहा जो सकमैन बात कह रहा है, उसमें सच्चाईं है। पहले इन चीजों को लेकर केवल पाकिस्तान शोर मचाता था लेकिन अब दूसरे देशों के क्रिकेटरों ने भी आपत्ति जताई है। भारत की जीत में आलराउंडर प्रदर्शन अच्छा था। इसी शो में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वकार युनुस ने कहा कि मुझे लगता है कि कुलदीप यादव ने कमाल किया है। हम लोगों को लग रहा था कि कुलदीप को रोहित 20 ओवर के बाद लाएगा लेकिन उसको पहले लाकर सबको सरप्राइज कर दिया। मुझे नहीं लगता कि न्यूजीलैंड के ओपनर्स को उम्मीद रही होगी कि कुलदीप आएगा। कुलदीप को लाना वाकई बढ़िया रणनीति थी। वसीम अकरम ने रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, रोहित ने पिछले चार सालों में पावर प्ले में 70 छक्के मारे हैं। आज भी रोहित बिलकुल बिना अतिरिक्त कोशिश के सहज बैटिंग कर रहे थे। पाकिस्तान के क्रिकेट बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और कमेंटेटर रमीज राजा ने कहा, भले आप कह लें कि भारत को एक पिच पर खेलने का फायदा मिला लेकिन जीत के लिए अच्छा खेलना होता है। भारत ने बिना कोई मैच हारे खिताब जीत लिया। भारत अब बहुत आगे निकल चुका है। चार-पांच स्पिनरों का इस्तेमाल करना इतना आसान नहीं होता। कुलदीप यादव ने कमाल किया है। रविंद्र जडेजा और कुलदीप ने न्यूजीलैंड की कमर तब तोड़ दी जब विलियम्सन को आउट कर दिया, इसके बाद न्यूजीलैंड अपने आप को संभाल नहीं पाया। हम रोहित शर्मा और तमाम भारतीय क्रिकेट टीम को इस शानदार जीत पर बधाई देते हैं।

भारत ने अपने सारे मैच दुबई में ही खेले। भारत के इस रुख को लेकर पाकिस्तान के लोग खासी नाराजगी जता रहे थे। भारत से खेलने के लिए पाकिस्तानी टीम के दुबई जाने से पहले पाक के पूर्व स्पिनर सकलैन मुस्ताक ने कहा था, मुझे उम्मीद है कि उन्हें ठीक से सबक सिखाएंगे लेकिन पाकिस्तान न तो भारत को हरा पाया, न ही टूर्नामेंट में टिक पाया और मेजबान होने के बावजूद फाइनल अपने घर में नहीं करा पाया। भारत की जीत पर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सकलैन मुश्ताक ने एक न्यूज चैनल में कहा, इस जीत का श्रेय मैं भारत से लेना नहीं चाहता था लेकिन दुनियाभर के जितने भी क्रिकेट बोर्ड हैं उन्हें आईसीसी से पूछना चाहिए कि क्या सारी चीजें निष्पक्ष तरीके से हुई हैं? कौन लाड़ला है, कौन नहीं। क्या इसी तरह भी आगे क्रिकेट चलेगा? आगे इसी तरह एशिया कप है। अब एशिया कप का मॉडल क्या होगा? खेल की भावना निकल जाएगी और क्रिकेट फिर पावर का गेम हो जाएगा। दरअसल सकलैन का कहना है कि टीम इंडिया को कहीं भी ट्रेवल्स नहीं करना पड़ा और सारे मैच दुबई के एक स्टेडियम में खेलने का फायदा मिला। वहीं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक ने कहा कि ठीक है कि कुछ चीजें भारत के पक्ष में थी लेकिन इसके बावजूद सारी टीमों को हराना और इस तरह खेलना, क्रेडिट तो जाता है। रोहित ने खुद भी बढ़िया खेला और टीम को भी अच्छे से मैनेज किया। इंजमाम ने कहा जो सकमैन बात कह रहा है, उसमें सच्चाई है। पहले इन चीजों को लेकर केवल पाकिस्तान शोर मचाता था लेकिन अब दूसरे देशों के क्रिकेटरों ने भी आपत्ति जताई है। भारत की जीत में आलराउंडर प्रदर्शन अच्छा था। इसी शो में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वकार युनुस ने कहा कि मुझे लगता है कि कुलदीप यादव ने कमाल किया है। हम लोगों को लग रहा था कि कुलदीप को रोहित 20 ओवर के बाद लाएगा लेकिन उसको पहले लाकर सबको सरप्राइज कर दिया।

कुछ | अलग

परमिशन लैटर मिल गया

लो जी, अपनी तो बल्ले बल्ले हो गई है। एक ही झटके में विरोधी चारों खाने चित हो गए हैं। ईर्ष्या करने वालों ने भी अपना लोहा मान लिया है। अब जिधर देखो, उधर अपना ही जलवा है। मोहल्ले में जहां चार लोग निंदा चुगली करने बैठ रहे हैं, वहां अपना भी जिक्र हो रहा है। अहाते में भी लोग सुरूर में आकर अपुन की ही बात कर रहे हैं। हम जहां पर मौजूद नहीं हैं और जहां पर हम कभी गए भी नहीं हैं, वहां पर भी हमारी चर्चा हो रही है। चर्चा इस बात की हो रही है कि देखो बंदे में दम तो है। परमिशन लैटर जेब में डालकर मूंछों पर ताव देते हुए घूम रहा है। अभी यह परमिशन किसी ऐरे गेरे नथ्थू खैरे ने नहीं दी है, बल्कि इलाके के सबसे बड़े डॉन ने दी है। और भाई साहब, डॉन का परमिशन लैटर कोई मामूली चीज नहीं होता। यह लोकतंत्र का नया संस्करण है। कुछ लोग इसे अनौपचारिक प्रशासन भी कहते हैं। सरकारी मुहर से ज्यादा भारी डॉन की नजर होती है। सरकारी कागज में तारीख होती है, डॉन के कागज में ताकत होती है। पहले हम भी लाइन में लगते थे, फाइलें उठाते थे, दफ्तरों के चक्कर काटते थे, क्लर्क की आंखों में झांकते थे और बाबू की टेबल पर धूल झाड़ते थे, लेकिन अब जमाना बदल गया है। अब फाइलें नहीं चलतीं, सिफारिश चलती है और सिफारिश भी कोई साधारण नहीं, सीधे डॉन स्तर की। अब हम चलते नहीं, हमारे आगे लोग रास्ता छोड़ देते हैं क्योंकि जेब में परमिशन लैटर है। यह परमिशन लैटर ऐसा है कि पुलिस वाला भी सलाम ठोक देता है, नेता भी मुस्कुरा देता है और अफसर भी कहता है आइए, आइए, आप तो हमारे खास मेहमान हैं।

दृष्टि | कोण

खामेनेई की मौत पर मोदी की चुप्पी के कूटनीतिक मायने

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी ने कई तरह के राजनीतिक और कूटनीतिक सवाल खड़े कर दिए हैं। अमरीका द्वारा ईरान पर हमला करने के बाद भारत में ईरान के दूतावास ने दुनिया भर की सरकारों से आग्रह किया था कि वे अमेरिका-इजराइल द्वारा तेहरान पर किए गए हमले और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार दिए जाने की कड़ी निंदा करें। ईरानी दूतावास ने कहा था कि भारत स्थित इस्लामिक गणराज्य, ईरान का दूतावास दुनिया भर की आजाद और स्वतंत्रता की पक्षधर सरकारों से इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा करने तथा अराजकता एवं आक्रामकता के सामने खामोश नहीं रहने का आह्वान करता है। इसके बावजूद केंद्र सरकार की तरफ से निंदा का कोई बयान नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की निंदा करने के बजाए कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि ऐसे विवादों का समाधान बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। उन्होंने दोहराया कि भारत की नीति हमेशा शांतिपूर्ण समाधान की रही है। सरकार का कहना है कि किसी भी संघर्ष की स्थिति में बातचीत का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी की तरफ से अपेक्षित बयान नहीं आने विपक्षी दल भड़क गए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की लक्षित हत्या पर मोदी सरकार की 'चुप्पी' को लेकर कहा कि उनका यह रुख भारत की विदेश नीति की दिशा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह पैदा करता है। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने याद दिलाया कि कैसे पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की मौत के बाद एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया था, जो मई 2024 में अजरबैजान में एक हेलीकॉप्टर क्रैश में सात लोगों के साथ मारे गए थे। संजय सिंह ने कहा मोदी जी, आज क्या हुआ? आपने ईरान के प्रेसिडेंट की मौत पर राष्ट्रीय शोक घोषित किया

था। आप ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत पर एक भी शोक ट्वीट करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं, क्योंकि इसके लिए अमेरिका जिम्मेदार है। भारत का किसी एक देश के लिए यह दृष्टिकोण कोई अपवाद नहीं है, बल्कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति के सिद्धांतों के अनुरूप है—जटिल संघर्षों में प्रत्यक्ष गठबंधन से बचना और स्थिरता को प्राथमिकता देना है। भारत की प्रतिक्रिया कई वैश्विक शक्तियों की प्रतिक्रिया के समान है, जिनमें से कई ने संवेदना व्यक्त करने या सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के 57 सदस्यों में से बहुत कम देशों ने शोक व्यक्त किया। रूस, चीन, उत्तर कोरिया, इराक, तुर्की, पाकिस्तान और मलेशिया जैसे कुछ देशों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे निंदनीय बताया, जबकि चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने घटना को स्वीकार्य नहीं कहा। इराक में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। हालांकि अधिकांश मुस्लिम बहुल देशों ने औपचारिक रूप से संवेदना व्यक्त नहीं की। भारत के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर संयम और संवाद की अपील की। साथ ही ईरान द्वारा संयुक्त अरब अमीरात के सहयोगियों पर किए गए हमलों की आलोचना भी की गई। सरकार का कहना है कि भारत का रुख राष्ट्रीय हितों और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तय किया गया है। गौरतलब है कि खाड़ी देशों से भारत के द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सवाल उठाए गए हैं, लेकिन सरकार ने इसे साम्प्रदायिक रूप देने की बात से दूरी बनाए रखी है।

अकेले चुनाव लड़ना भाजपा का अपना फैसला : सुखबीर बादल

चंडीगढ़ (हिंस)। गृहमंत्री अमित शाह की तरफ से पंजाब के मोगा में अकेले चुनाव लड़ने का एलान किए जाने के बाद पंजाब की राजनीति गरमा गई है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल ने इसे भाजपा का निजी फैसला करार दिया है। पंजाब में लंबे समय तक अकाली दल का भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन रहा है। दोनों दल मिलक सरकार भी बना चुके हैं। इस गठबंधन में भाजपा हमेशा छोटी भूमिका में रही है। कृषि कानूनों का विरोध करते हुए अकाली दल ने भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन तोड़ लिया था। पिछला लोकसभा चुनाव भी दोनों दलों ने अलग अलग ही लड़ा था। अमित शाह के पंजाब से रवाना होने के बाद सुखबीर बादल ने पत्रकारों से बातचीत में सुखबीर बादल ने कहा कि यह भाजपा का अपना फैसला है। अकाली दल असूली पार्टी है। अकाली दल के लिए पंजाब तथा पंजाब के लोग पहले हैं। पंजाब की मांगे पहले हैं। अकाली दल पंजाब में राज करने के लिए नहीं आता, बल्कि पंजाब के लोगों के हितों की लड़ाई के लिए आते हैं।

पंजाब में भाजपा अकेले बनाएगी अगली सरकार : अमित शाह

नशा-कर्ज-धर्म परिवर्तन पर बीजेपी ही समाधान : केंद्रीय गृहमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में भाजपा का चुनावी शंखनाद करते हुए साफ कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी अकेले मैदान में उतरेगी और सरकार बनाएगी। शनिवार को मोगा के गांव किल्ली चाहलां में भाजपा की पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि अब तक भाजपा पंजाब में छोटे भाई की भूमिका में रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि पार्टी खुद सरकार बनाए। उन्होंने दावा किया कि पंजाब की जनता आज भाजपा के साथ है। पंजाब के ज्वलंत नशों के मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस व अकाली दल ने पंजाब में नशों को बढ़ावा दिया है। चार महीने में पंजाब को नशा मुक्त करने का दावा करने वाला आम आदमी पार्टी भी इस दिशा में कुछ नहीं कर पाई। पंजाब को केवल भाजपा ही नशा मुक्त राज्य बना सकती है। भाजपा ने वादे के अनुसार, कश्मीर से धारा 370 को समाप्त किया। नक्सलवाद खत्म होने के कगार पर है। पंजाब की सबसे बड़ी समस्या कर्ज, ड्रग्स, धर्म परिवर्तन, भ्रष्टाचार, गैंगस्टरवाद है। आज पंजाब से उद्योग

पलायन कर रहे हैं। किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। युवाओं के पास अपने भविष्य को लेकर कोई विजन नहीं है। अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2024 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पंजाब में 19 प्रतिशत वोट मिले थे। भाजपा को असम, मणिपुर, त्रिपुरा, उत्तराखंड में जब 19 प्रतिशत वोट मिले तो अगली सरकार भाजपा ने बनाई। इस बार पंजाब में सरकार बनाने का समय आ गया है। पंजाब सरकार को कानून व्यवस्था के मुद्दे पर आड़े हाथों लेते हुए अमित शाह ने कहा कि पंजाब में आज सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। सरकार होती तो कानून व्यवस्था ऐसी न होती, सरकार होती तो नशे का कारोबार न होता। सरकार होती तो किसानों की हालत ऐसी नहीं होती। सिख दंगों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने दंगा पीड़ित परिवारों को न केवल मुआवजा दिया बल्कि नौकरियां भी दी, वहीं राहुल के पिता ने दंगों को लेकर सिखों का अपमान किया। कांग्रेस ने अकाल तख्त साहिब पर टैंक चलवाए। भाजपा ने अफगानिस्तान से आए सिखों को नागरिकता प्रदान की तो करतारपुर साहिब कॉरिडोर बनाया। कांग्रेस की अगर सिख गुरुओं के प्रति श्रद्धा होती तो आज करतारपुर साहिब पाकिस्तान की बजाए भारत का हिस्सा होता। गृहमंत्री ने कहा कि पंजाब में आज धर्म परिवर्तन गंभीर रूप धारण कर चुका है। कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने वोट की राजनीति के चलते धर्म परिवर्तन को बढ़ावा दिया है। कांग्रेस व आप यह भूल गए हैं कि नौवें गुरू तेग बहादुर ने धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए अपनी शीश कटवाया था। भाजपा सत्ता में आते ही सबसे पहले धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाएगी।

जो मुकाबला नहीं कर पाए, वे फैला रहे देश में अराजकता : योगी आदित्यनाथ

कैथल (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग जनता का विश्वास खो चुके हैं और सीधे मुकाबले की स्थिति में नहीं हैं, वे अब अफवाहों और अराजकता के जरिए देश में अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। शनिवार को हरियाणा के कैथल स्थित सौंगल गांव में बाबा मुकुट नाथ मठ के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि %एक भारत-श्रेष्ठ भारत% के निर्माण के लिए देश विरोधी और धर्म विरोधी तत्वों को पहचान कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित रहेगा तभी सनातन सुरक्षित रहेगा और इन दोनों को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत पीर गणेश नाथ के आठमान भंडारा और शंखाढाल कार्यक्रम में पूजा-अर्चना के बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद दशकों तक सरकारों को वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति से फुर्सत नहीं थी, जिसके कारण राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्रों की उपेक्षा हुई। योगी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल अयोध्या में भव्य मंदिर बना है, बल्कि काशी, महाकाल और केदारनाथ धाम का भी कायाकल्प हुआ है। संवैधानिक संस्थाओं पर उठ रहे सवालों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी हार का ठीकरा न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग पर फोड़ते हैं, जो उनकी हताशा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि *कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप* की नीति अब नहीं चलेगी। वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया युद्ध और आर्थिक संकट से त्रस्त है, लेकिन भारत 145 करोड़ देशवासियों के भरोसे और किसानों के पुरुषार्थ से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम में शेरनाथ महाराज को पीर की पदवी दी गई, जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों के सानिध्य में सनातन की ध्वज पताका हमेशा ऊंची रहेगी और इसे कोई भी ताकत झुका नहीं सकती। इस अवसर पर विधायक बालकनाथ, राजनाथ महाराज, हरिनाथ महाराज और अशोक गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सीएम योगी ने कहा कि हमारा दायित्व है कि जो लोग देशहित में कार्य कर रहे हैं, उन्हें समर्थन-सहयोग करें और जो लोग देशविरोधी-धर्मविरोधी आचरण कर रहे हैं, उन्हें नकारना, दुत्कारना और बाहर का रास्ता दिखाना है। भारत का हर सनातन धर्मावलंबी चाहता था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो, क्योंकि राम सनातन के प्रतीक और भारत के आधार स्तंभ हैं। 500 वर्ष पहले विदेशी आक्रांता ने रामजन्मभूमि पर मंदिर को अपवित्र करते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया था। दिन-वर्ष बीतते गए, हिंदू संघर्ष करता गया, लेकिन कोई बात सुनने वाला नहीं था।

विकसित राजस्थान रन को मुख्यमंत्री अमर जवान ज्योति से दिखाएंगे हरी झंडी

जयपुर (हिंस)। शासन सचिव युवा मामले एवं खेल विभाग व अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद डा. नीरज के.पवन ने सवाई मानसिंह स्टेडियम के अर्जुन मीटिंग हॉल में राज्य स्तरीय विकसित राजस्थान रन 2026 को सफल बनाने के उद्देश्य से गठित की गई खेल परिषद की विभिन्न समितियों के अधिकारियों, कर्मचारियों व प्रशिक्षकों की बैठक आहुत की। बैठक में उन्होंने आयोजन को सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर गत वर्ष से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर राजस्थान दिवस मनाने की शुरूआत की गई है। रविवार की सुबह 6.30 बजे राज्य स्तरीय विकसित राजस्थान रन 2026 का आयोजन किया जाएगा। जिसे समारोह के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा अमर जवान ज्योति से फ्लैग-ऑफ किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ करेंगे। जबकि विशिष्ट अतिथि युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री के. के. विश्नोई करेंगे। डा. नीरज के.पवन ने कहा कि यह विकसित राजस्थान रन तीन किलोमीटर की होगी। किसी भी तरह की कोई अव्यवस्था न हो, इसका विशेष ख्याल रखा जाए। आयोजन सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफलतापूर्वक संपन्न हों। इसके लिए 11 समितियों का गठन किया गया है, जिसमें सचिव, राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद सुनील भाटी के नेतृत्व में आयोजन समिति का गठन किया गया है। मुख्य लेखाधिकारी कमलप्रीत कौर को समिति का सह-संयोजक बनाया गया है। अन्य सदस्यों में जनसंपर्क अधिकारी तेजराज सिंह, खेल प्रबंधक रणविजय सिंह और खेल प्रबंधक नरेंद्र भूरिया सदस्य होंगे।

केंद्र सरकार की नीतियों के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहा देश : संजय सिंह

सुलतानपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में आम आदमी पार्टी के नेता एवं राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण देश गंभीर संकट का सामना कर रहा है और आम लोगों को गैस समेत जरूरी चीजों के लिए लाइनों में खड़ा होना पड़ रहा है। जिले मे शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि पहले ईरान के रास्तों से भारत को कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति आसानी से होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण रिश्ते बिगड़ गए हैं। श्री सिंह ने प्रधानमंत्री के उस पुराने बयान पर तंज कसते हुए कहा कि नाली की गैस से चाय बनाने जैसी बातें कहकर देश की जनता को भ्रमित किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को देश को *मूर्खता की आग* में झोंकना बंद करना चाहिए।

राजस्थान में गैस सिलेंडर को लेकर अफरा-तफरी वितरण के लिए रावतसर में लगाई टीचर की ड्यूटी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के कई जिलों में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर को लेकर लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है, जिसके चलते गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। शनिवार को जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर और सलूंबर सहित कई जिलों में उपभोक्ता सुबह से ही खाली सिलेंडर लेकर एजेंसियों के बाहर लाइन में खड़े दिखाई दिए। हालांकि गैस एजेंसी संचालकों का कहना है कि सिलेंडरों की वास्तविक कमी नहीं है, बल्कि लोगों में भय और अफवाह के कारण एक साथ अधिक मांग बढ़ गई है। अजमेर जिले के किशनग ? में नेशनल हाईवे 48 पर शनिवार सुबह घरेलू गैस सिलेंडरों से भरा एक टेम्पो टायर फटने से पलट गया। हादसा वैष्णोदेवी मंदिर के पास हुआ। टेम्पो पलटने से करीब डेढ़ सौ एलपीजी सिलेंडर सड़क की तीनों लेन में बिखर गए, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ और लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों की मदद से सिलेंडरों को सड़क से हटाया गया और यातायात बहाल कराया गया। भरतपुर में एक गैस एजेंसी के बाहर सुबह छह बजे से ही लोग

कार्यालयः उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट रावतसर

-: कार्यालय आदेश :-

उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट रावतसर

खाली सिलेंडर लेकर कतार में खड़े दिखाई दिए। उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है। वहीं अजमेर में गैस एजेंसी के बाहर लाइन में लगने को लेकर दो लोगों के बीच विवाद हो गया, जो मारपीट तक पहुंच गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभाली। रावतसर उपखंड में गैस सिलेंडर वितरण में तीन सरकारी शिक्षकों की ड्यूटी लगाने का मामला भी सामने आया है। उपखंड अधिकारी के आदेश के बाद शिक्षक संगठनों में नाराजगी है। उनका कहना है कि शिक्षकों को बार-बार अन्य विभागों के कार्यों में लगाया जाता है, जिससे पढ़ाई प्रभावित होती है। गैस सिलेंडर की कमी के कारण होटल और रेस्टोरेंट संचालकों ने कोयले, लकड़ी और विद्युत चूल्हों का उपयोग बढ़ा दिया है। जयपुर के एक रेस्टोरेंट संचालक ने बताया कि उन्होंने करीब आठ हजार रुपए खर्च कर कोयले की भट्टी बनवाई है। वर्तमान में कोयला करीब 26 रुपए प्रति किलोग्राम मिल रहा है। व्यापारियों का कहना है कि यदि गैस की किल्लत जारी रही तो कोयला और अन्य ईंधन की मांग बढ़ने से उनकी कीमतों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे छोटे कारोबारियों की परेशानी और बढ़ जाएगी। प्रदेश में बढ़ती मांग और अफवाहों के बीच प्रशासन और गैस एजेंसियां लोगों से संयम बनाए रखने की अपील कर रही हैं, ताकि वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे।

अग्निवीर के तौर पर भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पंजीकरण खुले

जयपुर (हिंस)। अग्निवीर और रेगुलर कैडर सैनिक के तौर पर भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पंजीकरण विंडो एक अप्रैल 2026 तक खुली है। राजस्थान के रहने वाले युवा उम्मीदवार भारतीय सेना में भर्ती के लिए जल्द से जल्द अपना पंजीकरण करा सकते हैं। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) ले कर्नल निखिल धवन के अनुसार उम्मीदवार अग्निवीर (सामान्य ड्यूटी), अग्निवीर (तकनीकी) अग्निवीर (लिपिक/स्टोर कीपर तकनीकी), अग्निवीर ट्रेडसमैन (10वी पास), अग्निवीर ट्रेडसमैन (8वी पास) श्रेणियों के साथ साथ जेसीओ/ओआर रैंक के लिए धार्मिक शिक्षक जूनियर कमीशन अधिकारी, हवालदार शिक्षा, सिपाही फार्मा और सैनिक तकनीकी (नर्सिंग अस्सिस्टेंट/ नर्सिंग अस्सिस्टेंट वेटनरी) के लिए भी आवेदन कर सकते है। महिला उम्मीदवार अग्निवीर सामान्य ड्यूटी (महिला सेना पुलिस) के लिए आवेदन कर सकती है।

विपक्ष बहुत हताश व निराश है : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। शनिवार को प्रयागराज पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने परेड ग्राउंड में आयोजित सरस मेले में बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि इस सरस मेले का उद्देश्य है कि समूहों से जुड़ी गरीब परिवार की जो महिलाएं (दीदी) विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाने का काम करती हैं उससे उनको रोजगार मुहैया हो और खरीददारी से उनकी आमदनी बढ़े। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आज डबल इंजन की सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष बहुत हताश व निराश है। 2047 तक उनकी सत्ता में वापसी नहीं होगी। जनता को भ्रम में रखने का कुत्सित प्रयास विपक्ष द्वारा पहले भी किया गया और अब भी किया जा रहा है। लेकिन जनता सब जान चुकी है। वहीं मेले से लौटने के बाद सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात के दौरान डिप्टी सीएम ने कहा कि 2027 ज्यादा दूर नहीं है और कार्यकर्ता अब चुनावी मोड में आ जाएं। सरकार की नीतियों जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएं। विपक्ष के पास झूठ के अलावा कोई मुद्दा नहीं है। कार्यकर्ता पूरी मेहनत व दमखम से 2027 का रोडमैप तैयार करें। इस दौरान काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र

गुप्ता भाजपा, प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, यमुनापार अध्यक्ष राजेश शुक्ल, महापौर गणेश केसरवानी, सुरेंद्र चौधरी, डॉ वीके सिंह, विधायक दीपक पटेल, राजेंद्र मिश्र, कविता पटेल, कमलेश गौतम, रवि केसरवानी, अरुण पटेल आदि उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री व सरकार पर गर्व: रवि किशनभाजपा की ओर से परेड ग्राउंड में आयोजित होली एवं बसंतोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने शनिवार को संगमनगरी पहुंचे भोजपुरी स्टार और गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि महिलाओं बेटियों को कैसे सशक्त बनाना है यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है। और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी उसी मिशन को आगे बढ़ा रहे। उन्हें प्रधानमंत्री व सरकार पर गर्व है। बसपा के संस्थापक काशीराम को भारत रत्न दिए जाने की राहुल गांधी की मांग पर रवि किशन ने कहा कि कांग्रेस ने 65 साल राज किया तब उन्होंने कुछ नहीं किया। किसी पिछड़े समाज को कोई सम्मान नहीं दिया। संसद में एक मिनट का ढाई लाख रुपया खर्च होता है जो देश की जनता की गाड़ी कमाई का पैसा होता है और राहुल गांधी व उनकी टीम द्वारा सदन न चलने देना संसद का सत्र बर्बाद करना ये सब देश की जनता देख रही है। कांग्रेस का वजूद पूरी तरह से खत्म हो रहा है। ईरान, अमेरिका व इजरायल युद्ध के बाद पूरे देश में एलपीजी गैस संकट पर रवि किशन ने कहा कि पूरा विश्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखता है। उनके हस्तक्षेप को मानता है। रूस यूक्रेन की लड़ाई हो या ईरान की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों को वजन से देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी की छवि एक गंभीर नेता के रूप में है। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा एलपीजी की किल्लत को लेकर झूठी अफवाह फैलाई जा रही है। एलपीजी सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। आप बुक करिए आपको गैस सिलेंडर मिलेगा। भारत में उपभोक्ताओं को पैनिक होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, डॉ शैलेष पांडेय, राजेश गोंड, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, उमेश तिवारी, आनंद दुबे, पवन मिश्रा ने रवि किशन का सर्किट हाउस में स्वागत किया।

बिहार के राज्यपाल बने सैयद अता हसनैन, ली पद और गोपनीयता की शपथ

पटना (हिंस)। सैयद अता हसनैन ने बिहार के नए राज्यपाल के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। पटना के लोक भवन में आयोजित समारोह में शनिवार को पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सैयद अता हसनैन बिहार के 43वें राज्यपाल बनें है। गुरुवार को ही उनका पटना आगमन हो चुका था, राजनीतिक हलकों में इस नियुक्ति को सिर्फ संवैधानिक बदलाव नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। करीब चार दशक तक भारतीय सेना में सेवा दे चुके सैयद अता हसनैन अपनी मजबूत रणनीतिक सोच और नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई, खासकर जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील इलाकों में। सुरक्षा, कूटनीति और सामाजिक समन्वय को साथ लेकर चलने की उनकी कार्यशैली ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उनके नेतृत्व में सेना ने कई सामाजिक पहल भी शुरू की थीं। युवाओं को शिक्षा, खेल और रोजगार से जोड़ने के लिए कई कार्यक्रम चलाए गए, जिससे कश्मीर के नौजवानों को मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश हुई। यही वजह है कि उन्हें सिर्फ सैन्य अधिकारी ही नहीं, बल्कि एक रणनीतिक विचारक के

रूप में भी देखा जाता है। सेना से सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका सार्वजनिक जीवन सक्रिय रहा। उन्हें राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का सदस्य बनाया गया, जहां उन्होंने आपदा प्रबंधन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों में योगदान दिया। मौके पर नीतीश कुमार, उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार, विधान परिषद के उप मुख्यमंत्री अवधेश नारायण सिंह समेत राज्य विधानसभा के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे।

पंजाब के घोटाले गिनवाकर अमित शाह ने आप से मांगा जवाब

चंडीगढ़ (हिंस)। गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को पंजाब दौरे के दौरान जहां वर्ष 2027 के चुनाव का शंखनाद कर दिया वहीं उन्होंने पंजाब की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी को एक एक घोटाले के मुद्दे पर घेरते हुए जवाब मांगा। अमित शाह ने करीब आधे घंटे के भाषण के दौरान पंजाब के उन सभी मुद्दों को उठाया, जिन पर स्थानीय नेता दबी जुबान में बोलते रहे हैं। गृहमंत्री ने पंजाब को आम आदमी पार्टी का एटीएम करार देते हुए कहा कि पंजाब के खजाने से केजरीवाल देश में घूम रहे हैं और भगवंत मान उनके पायलट बने हुए हैं। गृहमंत्री ने मोगा में आउटडोर विज्ञापन घोटाला, विज्ञापनों पर 800 करोड़ का खर्च पर सरकार से जवाब मांगा। अमित शाह ने कहा कि सत्ता में आने से पहले 25 लाख नौकरियां देने का वादा करने वाले आज मुंह छिपा रहे हैं। 16 मेडिकल कॉलेज कहीं ढूंढे नहीं मिल रहे हैं। चार माह में पंजाब को नशा मुक्त करने का दावा करने वाले चार साल बाद भी जवाब नहीं दे पा रहे हैं। पंजाब के बुजुर्ग, विधवा तथा दिव्यांग आज भी 2500 रुपए पेंशन का इंतजार कर रहे हैं। खनन से पंजाब की 20 हजार करोड़ रुपए आय में वृद्धि का दावा आज पीछे छूट गया है। अमित शाह ने मोगा के मंच से जब यह मुद्दे उठाए तो पंडाल में मौजूद हजारों लोगों ने हाथ उठाकर उनका समर्थन किया। अमित शाह ने गठबंधन को लेक चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कार्यकर्ताओं को अपनी मेहनत से सरकार बनाने का संदेश दिया। इससे साफ हो गया है कि भाजपा इस बार बड़ी गंभीरता के साथ चुनाव लड़ेगी। इससे पहले पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा कि पंजाब में कानून व्यवस्था की बुरी तरह से बिगड़ चुकी है। पुलिस थानों पर लगातार ग्रेनेड हमले हो रहे हैं। पंजाब सरकार अफसरशाही के बल पर लोगों को धमकाकर पंजाब का भाईचारा बिगाड़ रही है। पंजाब सरकार केंद्र की तरफ से भेजी जा रही धनराशि का सही इस्तेमाल नहीं कर रही है।

सर्व समाज को धर्मयात्रा में सम्मिलित होने का निमंत्रण : लोगों में उत्साह का माहौल

बीकानेर (हिंस)। भारतीय नववर्ष नवसंवत्सर धर्मयात्रा को लेकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकें आयोजित कर सर्व समाज को धर्मयात्रा में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया जा रहा है। नत्थूसर बास, व्यास कॉलोनी और अंबेडकर बस्ती में हुई बैठकों में समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली और धर्मयात्रा को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया। भारतीय नव वर्ष समारोह समिति बीकानेर महानगर मीडिया सह संयोजक दीपक हर्ष के अनुसार विवेकनाथ बस्ती, नत्थूसर बास स्थित शंकरनाथ चौक में गवराजा महोत्सव के अवसर पर धर्मयात्रा निमंत्रण सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में क्षेत्र की मातृशक्ति, युवाओं एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर भारतीय नववर्ष समारोह समिति के संयोजक उमेश व्यास ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और महान संस्कृतियों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार

भगवान ब्रह्मा ने इसी पावन दिन सृष्टि की रचना प्रारंभ की थी तथा सम्राट विक्रमादित्य के समय विक्रम संवत की स्थापना हुई। उन्होंने कहा कि हिंदू नववर्ष हमारी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं का प्रतीक है, इसलिए हर घर में इसे उत्सव के रूप में मनाया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और सनातन मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर भी बल दिया और सभी से धर्मयात्रा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। इस अवसर पर दिनेश सांखला, शिव सोलंकी, नंदकिशोर गहलोत, जयप्रकाश व्यास, आनंद स्वामी, भवानी सांखला सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसी क्रम में अग्रवाल भवन, व्यास कॉलोनी में अग्रवाल चेतना समिति एवं क्षेत्र के समस्त हिंदू समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक को टेकचंद बरड़िया (विभाग संघचालक, बीकानेर), भंवर पुरोहित (महामंत्री, भारतीय नववर्ष समारोह समिति) एवं विजय कोचर (सहसंयोजक) ने संबोधित किया। बैठक में निर्णय लिया गया कि व्यास कॉलोनी, पवनपुरी, सुदर्शन नगर, पटेल नगर एवं शिवबाड़ी रोड क्षेत्र का समाज बीकानेरी साफों के साथ रैली के रूप में धर्मयात्रा में सम्मिलित होगा। वक्ताओं ने कहा कि समाज के सभी वर्ग एकजुट होकर इस सांस्कृतिक आयोजन में भाग लें और भारतीय नववर्ष के उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मनाएं। इस अवसर पर नरसिंग भाटी, नरेंद्र खत्री, डॉ. गजेंद्र वर्मा, शिवदयाल उपाध्याय, सुशील बंसल, प्रमोद कुमार देवड़ा, मनीष चौधरी, श्याम गुप्ता, पवन अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, सत्येंद्र गुप्ता, संजय गुप्ता, विनोद गोयल, पवन जौहरी, विकास अग्रवाल सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। वहीं पुरानी शिवबाड़ी रोड स्थित अंबेडकर बस्ती, गली नंबर 6 के माताजी मंदिर प्रांगण में भी धर्मयात्रा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयोजक उमेश व्यास एवं सहसंयोजक विजय कोचर ने बस्तीवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि अंबेडकर बस्ती की 12 गलियों के सभी सनातनी समाजजन एमएम ग्राउंड पहुंचकर धर्मयात्रा में सम्मिलित हों। विजय कोचर ने कहा कि नववर्ष का दिन शक्ति और एकता का प्रतीक है और इस दिन हिंदू समाज को अपनी एकजुटता का परिचय देना चाहिए। बैठक को समिति के सह कोषाध्यक्ष किशोर बानठिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अंबेडकर बस्ती में संचालित बाल संस्कार केंद्र की बालिकाओं ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। बैठक में किशनलाल छीपा, ठाकुर नारायण सिंह, सुरजाराम नायक, सुशील शर्मा, डॉ. गजेंद्र वर्मा सहित बस्ती के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नवसंवत्सर धर्मयात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

कालाबाजारी के जब्त गैस सिलेंडर मामले पर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अररिया (हिंस)। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड के सचिव रमेश सिंह ने फारबिसगंज के पोखर बस्ती में गुरुवार की रात जब्त किए गए कालाबाजारी के 261 गैस सिलेंडर मामले में जांच कर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग एसडीओ से की है। मामले को लेकर जदयू प्रदेश सचिव रमेश सिंह ने एसडीओ को आवेदन देकर आम उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर मिलने में हो रही परेशानी के मद्देनजर सरकार की इससे बदनामी होने की बात कही गई है। एसडीओ को सौंपे गए ज्ञापन में जदयू नेता ने कहा कि अनुमंडल क्षेत्र में गैस एजेंसी और कंपनी द्वारा समय सीमा पर गैस उपलब्ध नहीं करने के कारण आमजनों में आक्रोश होने की बात कही। कंपनी एवं एजेंसी के द्वारा ऑनलाइन बुकिंग करने को कहे जाने के बावजूद ऑनलाइन बुकिंग नहीं होने के कारण गैस सिलेंडर नहीं मिलने की बात कही गई।

हुंडई आई 20 की बिक्री में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली

फरवरी 2026 में बिक्री के मामले में हुंडई आई 20 ने शानदार प्रदर्शन किया है। फरवरी 2026 के बिक्री आंकड़ों के मुताबिक यह माडल वाइज सेल्स लिस्ट में चौथे स्थान पर रही। इस दौरान कंपनी को इस कार के लिए कुल 5,852 नए ग्राहक मिले।

अगर पिछले साल फरवरी 2025 से तुलना करें तो उस समय इसकी केवल 3,627 यूनिट्स ही बिकी थीं। इस तरह एक साल के भीतर इसकी बिक्री में करीब 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बढ़ती मांग से साफ है कि भारतीय ग्राहक इस कार के डिजाइन, फीचर्स और कीमत के संतुलन को काफी पसंद कर रहे हैं।

फीचर्स की बात करें तो हयूदै आई20 अपने सेगमेंट में आधुनिक तकनीक और सुविधाओं के लिए जानी जाती है। कार में 10.25 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है, जो स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स के साथ आता है। इसके अलावा डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले भी मिलता है, जिससे ड्राइविंग के दौरान जरूरी जानकारी आसानी से देखी जा सकती है। सुविधा के लिए इसमें वायरलेस फोन चार्जिंग की सुविधा भी दी गई है।

सुरक्षा के लिहाज से भी कंपनी ने इस कार में कई अहम फीचर्स शामिल किए हैं। इसमें 6 एयरबैग, रियर पार्किंग कैमरा और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम दिए गए हैं, जो ड्राइविंग को अधिक सुरक्षित बनाते हैं। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला मुख्य रूप से मारुति सुजुकी बलेनो और मारुति सुजुकी स्वीफट जैसी कारों से माना जाता है।

पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो अधिकतम 83 बीएचपी की पावर और 115 एनएम का टार्क पैदा करता है। इसे 5-स्पीड मैनुअल गियरबाक्स और सीवीटी आटोमेटिक ट्रांसमिशन के विकल्प के साथ पेश किया गया है, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार विकल्प चुन सकते हैं।

बता दें कि भारतीय आटोमोबाइल बाजार में बीते कुछ समय से हैचबैक कारों की मांग एक बार फिर तेज होती नजर आ रही है। खासकर प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में ग्राहकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। इस कार ने सालाना आधार पर उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है और डिमांड के मामले में कई लोकप्रिय माडलों को कड़ी टक्कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई ने मनाप्पुरम फाइनेंस पर लगाया 2.70 लाख रुपये का जुर्माना

मुंबई। रिजर्व बैंक आफ इंडिया (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस पर 2.70 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कुछ नियामकीय नियमों का पालन न करने की कमियों के लिए ये कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा कि निर्देशों का पालन न करने और उससे जुड़े पत्राचार की जांच के नतीजों के आधार पर कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में कंपनी से पूछा गया कि उसने निर्देशों का पालन क्यों नहीं किया और इस असफलता के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। नोटिस पर कंपनी के जवाब और मौखिक दलीलों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने कहा कि उसने पाया कि मनाप्पुरम फाइनेंस ने कुछ प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों को पूरा वेरिएबल वेतन बिना किसी देरी के पहले ही दे दिया था। हालांकि आरबीआई ने यह भी कहा कि यह जुर्माना नियामकीय नियमों के पालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेन-देन या समझौते की वैधता पर कोई फैसला देना नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मौद्रिक जुर्माना लगाने का मतलब यह नहीं है कि रिजर्व बैंक कंपनी के खिलाफ कोई अन्य कार्रवाई नहीं कर सकता।

ईरान संकट लंबा चला तो भारत की महंगाई पर पड़ सकता है असरः नागेश्वरन

नई दिल्ली। भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि यदि ईरान से जुड़ा भू-राजनीतिक संकट लंबा खिंचता है तो इसका असर भारत की आर्थिक वृद्धि, महंगाई और चालू खाते के घाटे पर पड़ सकता है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितता के बावजूद भारत की वृहद आर्थिक स्थिरता मजबूत है, इसलिए देश का प्रदर्शन कई अन्य अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर रहने की संभावना है। नागेश्वरन के अनुसार संकट की अवधि के साथ यह भी महत्वपूर्ण है कि यह टकराव किस तरह समाप्त होता है, क्या दोनों पक्ष सहमति से पीछे हटेंगे या कोई पक्ष कमजोरी के कारण। उन्होंने चेतावनी दी कि वैश्विक भू-राजनीतिक बदलाव आने वाले वर्षों में निवेश, आपूर्ति श्रृंखलाओं और आर्थिक वृद्धि की दिशा को प्रभावित कर सकते हैं।

राधाकिशन दमानी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर के 16 लाख शेयर बेचे, बिक्री से दमानी को कुल 52 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई

नई दिल्ली। देश के मशहूर निवेशक राधाकिशन दमानी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के 16 लाख शेयर ब्लाक डील के जरिए बेचे। इस बिक्री से दमानी को कुल 52 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। प्रत्येक शेयर की कीमत 325 रुपये रही। निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह बिक्री ऐसे समय में हुई है जब कंपनी के शेयर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। शुक्रवार को बीएसई में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर 3.13 प्रतिशत गिरकर 314.30 रुपये पर बंद हुए। दिन के दौरान शेयर का न्यूनतम भाव 308.65 रुपये तक पहुंचा। पिछले महीने में शेयरों में 17 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि एक साल में कुल 22 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। दो साल की अवधि में यह शेयर लगभग 47 प्रतिशत गिर चुका है। कंपनी का 52-सप्ताह हाई 459.67 रुपये और लो 308.65 रुपये है। वर्तमान में कंपनी का मार्केट कैप 1.15 लाख करोड़ रुपये के करीब है। टाटा मोटर्स ने हाल ही में डिमर्जर किया है। इसके तहत पैसेंजर व्हीकल्स का काम अब टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड संभाल रही है, जबकि कामर्शियल व्हीकल्स का काम टाटा मोटर्स लिमिटेड के नाम से अलग सूचीबद्ध कंपनी संभाल रही है। यह विभाजन शेयर बाजार में अलग-अलग व्यापारिक गतिविधियों और वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाने में मदद करता है। विश्लेषकों के अनुसार, दमानी की यह बिक्री बाजार में दबाव और शेयर के हालिया संघर्ष के बीच हुई है। निवेशकों को सलाह दी जा रही है कि वे कंपनी के दीर्घकालीन प्रदर्शन और डिमर्जर के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए निवेश निर्णय लें ।

ट्रेड गैस फार इलेक्ट्रिक नामक प्रोग्राम शुरू किया विनफास्ट ने

नई दिल्ली

विनफास्ट कंपनी ने पेट्रोल और डीजल वाहनों से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए ट्रेड गैस फार इलेक्ट्रिक नामक नया प्रोग्राम शुरू किया है। कंपनी का उद्देश्य ग्राहकों को पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ व पर्यावरण के अनुकूल परिवहन विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इस पहल की शुरुआत भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलीपींस सहित चार प्रमुख बाजारों में की जा रही है।

इस योजना के तहत वे ग्राहक जो अपनी इंटरनल कंबशन इंजन (आईसीई) से चलने वाली गाड़ियों को बदलकर विनफास्ट के इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेंगे, उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ दिया जाएगा। कंपनी के अनुसार, इलेक्ट्रिक कार खरीदने वाले ग्राहकों को वाहन की कीमत पर 3 प्रतिशत का अतिरिक्त डिस्काउंट मिलेगा। वहीं जिन बाजारों में विनफास्ट के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर उपलब्ध हैं, वहां इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने पर ग्राहकों को 5 प्रतिशत तक की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। यह लाभ कंपनी के मौजूदा प्रमोशनल आफर्स के अतिरिक्त होगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहनों की प्रभावी कीमत और कम हो जाएगी।

भारतीय बाजार में यह आफर विनफास्ट की इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ6 और वीएफ7 जैसे माडलों पर लागू होगा, जिन्हें कंपनी ने अपनी स्थानीय रणनीति के तहत पहले ही प्रदर्शित किया है। कंपनी के ग्लोबल सेल्स के डिप्टी सीईओ डुओंग थी थू ट्रांग ने कहा कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक परिस्थितियों और ईंधन की कीमतों में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच यह पहल समय की मांग है। उन्होंने कहा कि विनफास्ट का लक्ष्य स्मार्ट, टिकाऊ और किफायती मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराना है।

एसयूवी अल्पिना एक्सबी7 का लिमिटेड एडिशन होगा बाजार में पेश

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू अपनी लोकप्रिय एसयूवी अल्पिना एक्सबी7 का लिमिटेड एडिशन बाजार में पेश करने जा रही है। कंपनी इस नए माडल को अल्पिना एक्सबी7 मेनूफाक्तुर नाम दिया है। दुनिया भर में कंपनी इस एसयूवी की केवल 120 यूनिट ही तैयार करेगी, जिससे यह माडल कलेक्टर्स और लग्जरी कार प्रेमियों के लिए काफी खास माना जा रहा है। माना जा रहा है कि इस एडिशन के बाद अल्पिना एक्सबी7 का प्रोडक्शन भी बंद किया जा सकता है, जिससे इसकी विशिष्टता और बढ़ जाएगी। इस स्पेशल एडिशन एसयूवी को दो खास रंग विकल्पों में पेश किया जाएगा, जिनमें फ्रोजेन अल्पाइना ग्रीन और फ्रोजेन अल्पाइना ब्लू शामिल हैं। इन रंगों को विशेष रूप से इसी माडल के लिए तैयार किया गया है। गाड़ी के एक्सटीरियर में आल-ब्लैक ट्रिम दिया गया है, जो इसे प्रीमियम और आकर्षक लुक देता है। साथ ही बाडी के साइड हिस्से पर ब्लैक पिनस्ट्राइप डिजाइन भी दिया गया है, जो इसे सामान्य माडल से अलग पहचान देता है। इंटीरियर की बात करें तो इस एसयूवी के केबिन को बेहद लग्जरी बनाया गया है। परफार्मेंस के लिहाज से इसमें 631 हार्सपावर वाला ट्विन-टर्बो वी8 इंजन दिया गया है, जो इसे महज 3.9 सेकंड में 0 से 97 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचाने में सक्षम बनाता है। बेहतर ड्राइविंग अनुभव के लिए इसमें एयर सस्पेंशन सिस्टम भी दिया गया है, जो गाड़ी की ऊंचाई को करीब 1.6 इंच तक कम कर सकता है। इस एसयूवी की कीमत लगभग 1,81,550 अमेरिकी डालर यानी करीब 1.67 करोड़ रुपये रखी गई है और इसका उत्पादन सितंबर 2026 से शुरू किया जाएगा। इसमें टारटूफो मेरिनो लेदर का इस्तेमाल किया गया है, जिसे वालनट नेचर ब्लैक फिनिश के साथ जोड़ा गया है। हेडरेस्ट पर खास अल्पिना एम्ब्रायडरी दी गई है और सेंटर कंसोल को भी विशेष डिजाइन के साथ तैयार किया गया है। इसके अलावा दूसरी पंक्ति में कैप्टन चेयर दी गई हैं, जिससे यात्रियों को अधिक आराम मिलता है।

सालाना टोल पास की कीमत 1 अप्रैल से बढ़ी, अब देना होगा 3,075 रुपए

मुंबई

नेशनल हाईवे पर नियमित यात्रा करने वाले निजी वाहनों के लिए सालाना टोल पास की कीमत में मामूली बढ़ोतरी की गई है। नेशनल हाइवे अथोरिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल 2026 से यह पास 3,000 की बजाय 3,075 में उपलब्ध होगा। सालाना टोल पास एक साल या 200 बार टोल पार करने तक मान्य रहेगा, जो भी पहले हो।

इसका मतलब है कि अगर कोई वाहन एक साल पूरा होने से पहले ही 200 बार टोल पार कर लेता है, तो पास की वैधता समाप्त हो जाएगी। इस पास का लाभ लेने के लिए वाहन में एक्टिव फास्टेग होना अनिवार्य है। बिना फास्टेग के यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। सालाना टोल पास के लिए वाहन मालिक एनएचएआई या अपने फास्टेग जारी करने वाले बैंक या ऐप पोर्टल पर लाग-इन कर सकते हैं। आवेदन

पास का लाभ लेने के लिए वाहन में एक्टिव फास्टेग होना अनिवार्य

करने के बाद 3,075 फीसदी आनलाइन भुगतान करना होगा।

सफल भुगतान के बाद यह पास सीधे आपके फास्टेग से लिंक हो जाएगा और टोल प्लाजा पर अतिरिक्त भुगतान किए बिना इस्तेमाल किया जा सकेगा। सरकार के अनुसार टोल दरों की सालाना समीक्षा होती है। इस प्रक्रिया के तहत इस बार मामूली बढ़ोतरी की गई है। हालांकि, जो लोग अक्सर नेशनल हाईवे पर सफर करते हैं, उनके लिए सालाना टोल पास अब भी सुविधाजनक और फायदेमंद विकल्प माना जाता है। इससे बार-बार टोल भुगतान की झंझट कम होती है और यात्रा तेज़ और आसान बनती है।

शांतनु नारायण ने 18 साल के नेतृत्व के बाद अडोबी सीईओ पद छोड़ा

नई दिल्ली। अमेरिका की प्रमुख साफ़्टवेयर कंपनी अडोबी के सीईओ शांतनु नारायण ने हाल ही में घोषणा की कि वह कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद से हट रहे हैं। नारायण ने दिसंबर 2007 से कंपनी का नेतृत्व किया और इस दौरान अडोबी को वैश्विक स्तर पर नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया। उनके कार्यकाल में अडोबी की आय 1 अरब डालर से बढ़कर 25 अरब डालर तक पहुंची। कर्मचारियों की संख्या 3,000 से बढ़कर 30,000 हो गई। नारायण के नेतृत्व में कंपनी ने डेस्कटाप साफ़्टवेयर से क्लाउड-आधारित क्रिएटिव साफ़्टवेयर में बदलाव किया, जिससे अडोबी वैश्विक क्रिएटिव उद्योग की ताकत बन गई। सीईओ के इस्तीफे की घोषणा के बाद अडोबी के शेयर लगभग 7 प्रतिशत गिर गए जो नेतृत्व परिवर्तन को लेकर निवेशकों की चिंता दिखाता है। यह बदलाव ऐसे समय में आया है जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तेजी से साफ्टवेयर उद्योग में प्रतिस्पर्धा बदल रहा है। नारायण का जन्म 27 मई 1963, हैदराबाद में हुआ। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और इसके बाद बालिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहायो से कंप्यूटर साइंस में स्नातकोत्तर किया। वर्ष 1998 में वह अडोबी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने और धीरे-धीरे सीईओ तक पहुंचे। माइक्रोसाफ्ट के सीईओ सत्य नडेला ने नारायण को बधाई दी और कहा कि उन्होंने अडोबी को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण साफ़्टवेयर कंपनियों में बदल दिया।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद एटीएफ कीमतों में तेज उछाल

एयरलाइंस अपने किराये में कर सकता है बढ़ोतरी

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद भारत में विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। विमानन उद्योग का कहना है कि जेट ईंधन की कीमतें कच्चे तेल की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ी हैं, जिससे एयरलाइनों की लागत पर बड़ा दबाव पड़ा है। उद्योग अधिकारियों के अनुसार भारतीय रिफाइनरियों का जेट फ्यूल पर मार्जिन काफी बढ़ गया है, जबकि कच्चे तेल को एटीएफ में बदलने की वास्तविक लागत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

एयरलाइनों के परिचालन खर्च में एटीएफ का हिस्सा लगभग 40 प्रतिशत होता है। ऐसे में ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि का सीधा असर हवाई किरायों पर पड़ा है। कई एयरलाइनों को यात्रियों से अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एयरलाइन अधिकारियों का कहना है कि भारत में एटीएफ की कीमतें मीन आफ प्लैट्स अरब गल्फ (मोपैग) बेंचमार्क के आधार पर तय होती हैं, जिसे एसएंडपी ग्लोबल प्लेट प्रतिदिन जारी करती है।

यह बेंचमार्क खाड़ी क्षेत्र की प्रमुख रिफाइनरियों जुबैल, रास तनुरा, रुवैस, मीना अल-अहमदी और सिट्रा में जेट फ्यूल की स्पाट कीमतों के औसत पर आधारित होता है। 28 फरवरी को इरान पर यूनाइटेड स्टेट और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद क्षेत्र की कई रिफाइनरियां या तो बंद हो गई या उन्होंने उत्पादन कम कर दिया। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में जेट फ्यूल की कीमतों में तेजी आई। भारत में एयरलाइनों को एटीएफ मुख्य रूप से इंडियल आयल कारपोरशन, भारत पेट्रोलियम कारपोरशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड जैसी घरेलू रिफाइनरियों से मिलता है।

एयरलाइन उद्योग का कहना है कि भारत को एटीएफ मूल्य निर्धारण के लिए मोपैग से अलग होकर कच्चे तेल की कीमत और निश्चित रिफाइनिंग मार्जिन माडल अपनाना चाहिए, जिससे कीमतों में अनावश्यक उतार-चढ़ाव कम हो सके।

दुर्घटना से बचाव के लिए कार कंपनियां शामिल कर रही नई तकनीक

नई दिल्ली

भारत जैसे देश में, जहां सड़क सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है, अडास का प्रभाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। देश में हर साल करीब डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में होती है, जिससे भारत दुनिया के सबसे खतरनाक सड़क नेटवर्क वाले देशों में गिना जाता है। दुर्घटनाओं से बचाव हेतु आधुनिक कारों में सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए आटो कंपनियां लगातार नई तकनीकों को शामिल कर रही हैं। एयरबैग, कैमरा और सेंसर जैसे फीचर्स के साथ अब एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पहले यह तकनीक केवल लग्जरी कारों तक सीमित थी, लेकिन अब अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल, आटोमैटिक

इमरजेंसी ब्रेकिंग और लेन-कीपिंग असिस्ट जैसे फीचर्स आम कारों में भी देखने को मिलने लगे हैं। कंपनियों का दावा है कि यह तकनीक सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। अब तक सुरक्षा से जुड़ी चर्चाएं मुख्य रूप से पैसिव सेफ्टी फीचर्स जैसे एयरबैग, क्रैश स्ट्रक्चर और भारत एनकैप जैसी रेटिंग प्रणालियों तक सीमित रही हैं, लेकिन अडास को एक्टिव सेफ्टी सिस्टम के रूप में देखा जा रहा है, जो दुर्घटनाओं को होने से पहले ही रोकने की क्षमता रखते हैं। हालांकि, एक बड़ी चुनौती यह है कि अधिकांश अडास तकनीकों को ऐसे देशों में विकसित और परीक्षण किया गया है जहां ट्रैफिक व्यवस्था व्यवस्थित होती है, लेन मार्किंग स्पष्ट होती हैं और ड्राइविंग पैटर्न अपेक्षाकृत अनुशासित होता है। इसके विपरीत भारत की सड़कों पर घना ट्रैफिक, अलग-अलग प्रकार के वाहन, असमान लेन मार्किंग और अनिश्चित ड्राइविंग व्यवहार देखने को मिलता है।

नियमों का उल्लंघन करने पर लगाई बाइक, टैक्सी सेवाओं पर रोक

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने नियमों के उल्लंघन के चलते ओला, उबर और रैपिडो जैसी कंपनियों की बाइक टैक्सी सेवाओं पर फिलहाल रोक लगा दी है। अब इन प्लेटफार्म्स के जरिए चलने वाली बाइक टैक्सी सेवाएं राज्य में कानूनी रूप से अवैध मानी जाएंगी। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने विधान परिषद में जानकारी देते हुए बताया कि इन कंपनियों को पहले अस्थायी लाइसेंस दिया गया था। हालांकि तय समयसीमा के भीतर कंपनियां आवश्यक दस्तावेज जमा करने और निर्धारित नियमों का पालन करने में विफल रहीं। इसी कारण सरकार ने उनके प्रोविजनल लाइसेंस रद्द करने का निर्णय लिया है। यह मामला महाराष्ट्र ई-बाइक टैक्सी नियम 2024 से जुड़ा हुआ है। इन नियमों के अनुसार बाइक टैक्सी सेवाओं में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल अनिवार्य किया गया था। कंपनियों को इसके लिए 30 दिन का समय दिया गया था ताकि वे लाइसेंस और जरूरी दस्तावेज जमा कर सकें। लेकिन आरोप है कि कई कंपनियां अब भी पेट्रोल से चलने वाली बाइक का इस्तेमाल कर रही थीं और जरूरी कागजात भी समय पर जमा नहीं किए गए।

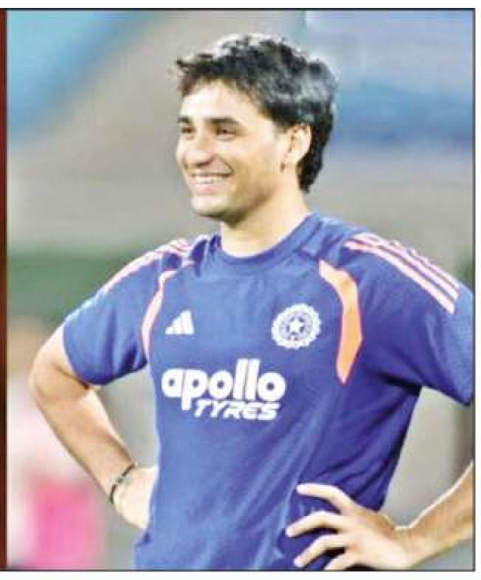

अभिषेक शर्मा को रास्कल कहकर की तारीफ ब्रैड हैडिन बोले – बड़े मौकों के खिलाड़ी हैं

नई दिल्ली

भारत के युवा बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को लेकर आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन ने मजाकिया अंदाज में दिलचस्प टिप्पणी की है। हैडिन ने अभिषेक को रास्कल यानी शरारती या बदमाश कहकर संबोधित किया, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने युवा बल्लेबाज की जमकर प्रशंसा भी की। हैडिन ने यह बात एक पाडकास्ट में कही, जहां उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान अभिषेक के प्रदर्शन और उनके खेल के अंदाज की सराहना की। हैडिन ने कहा कि वह अभिषेक शर्मा के बड़े प्रशंसक हैं और पूरे टूर्नामेंट के दौरान उनके प्रदर्शन पर काफी चर्चा होती रही। उन्होंने बताया कि लीग चरण के कुछ मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने के बाद ऐसा लगने लगा था कि अभिषेक दबाव में आ सकते हैं, लेकिन बड़े मुकाबलों में ऐसे ही खिलाड़ियों की जरूरत होती है जो जोखिम उठाने से नहीं डरते। उनके मुताबिक अभिषेक वही खिलाड़ी हैं जो आक्रामक बल्लेबाजी के जरिए विपक्षी टीम पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि फाइनल में अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी ने मैच का रुख ही बदल दिया। जिस तरह से उन्होंने तेज गति से रन बनाए, उससे भारतीय टीम को मजबूत स्थिति मिली और मुकाबले की दिशा तय हो गई। हैडिन का मानना है कि बड़े मैचों में निडर बल्लेबाज ही टीम को बढ़त दिलाते हैं और अभिषेक ने वही भूमिका निभाई। पूरे टूर्नामेंट में अभिषेक शर्मा का प्रदर्शन मिश्रित रहा। उन्होंने अपने अभियान का अंत 158.42 के स्ट्राइक रेट से कुल 141 रन बनाकर किया, जिसमें दो अर्धशतक शामिल रहे। शुरुआती मुकाबलों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और पहले तीन मैचों में वह बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने 15 रन बनाए, जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़ते हुए 55 रन की पारी खेली। हालांकि वेस्टइंडीज और सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन साधारण रहा। फाइनल से पहले तक उन्होंने कुल 89 रन बनाए थे।

न्यूज ब्रीफ

इंडियन वेल्स : आर्यना सबालेंका फाइनल में, लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया

इंडियन वेल्स (कैलिफोर्निया)। विश्व की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए

इंडियन वेल्स मास्टर्स 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली। सबालेंका ने सेमीफाइनल में 14वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। कैलिफोर्निया के रेगिस्तानी शहर में खेले जा रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में सबालेंका का यह तीसरा फाइनल है। वह इस प्रतियोगिता का अपना पहला खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। सबालेंका इस सत्र में शानदार लय में हैं। उन्होंने वर्ष के शुरुआती 16 मुकाबलों में से 15 में जीत दर्ज की है। उनकी एकमात्र हार एलेना राइबाकिना के खिलाफ आस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में हुई थी। खिताबी मुकाबले में सबालेंका का सामना राइबाकिना से फिर हो सकता है, यदि कजाख खिलाड़ी सेमीफाइनल में एलीना स्वितोलिना को पराजित कर देती हैं। मैच में सबालेंका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। पहले सेट में उन्होंने 3-1 की बढ़त लेते हुए नोस्कोवा की सर्विस तोड़ी और बाद में 5-1 की स्थिति बना ली। हालांकि नोस्कोवा ने एक बार सबालेंका की सर्विस ब्रेक कर वापसी की कोशिश की, लेकिन शीर्ष वरीय खिलाड़ी ने 5-3 पर ऐस लगाकर पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट के शुरुआती गेम में ही सर्विस ब्रेक सबालेंका के लिए निर्णायक साबित हुआ। 21 वर्षीय नोस्कोवा को वापसी का एक मौका मिला, लेकिन वह उसे भुना नहीं सकीं और सबालेंका ने 6-4 से सेट और मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि इस मुकाबले में उनकी सर्विस सबसे बड़ा हथियार रही। उन्होंने कहा, नोस्कोवा बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मुझे पता था कि यदि उन्हें थोड़ा भी मौका मिला तो वह उसका फायदा उठा सकती हैं।

आईपीएल 2026 से पहले केकेआर ने लान्च की नई जर्सी, लाइंस आफ लेगेसी थीम में दिखेगी टीम

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 सीजन से पहले अपनी

नई टीम जर्सी लान्च कर दी है। तीन बार की चैंपियन केकेआर ने इस बार जर्सी को लाइंस आफ लेगेसी थीम के साथ डिजाइन किया गया है, जिसमें टीम के इतिहास के कई यादगार पलों को खास अंदाज में दर्शाया गया है। जर्सी का डिजाइन टीम के पारंपरिक बैंगनी और सुनहरे रंग में रखा गया है, जो केकेआर की पहचान का अहम हिस्सा रहा है। नई जर्सी के डिजाइन में टीम के इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों को रेखाओं के रूप में दिखाया गया है। इन रेखाओं में कई ऐतिहासिक पलों की झलक मिलती है। इनमें ब्रेंडन मैकुलम द्वारा 2008 में खेली गई 158 रन की ऐतिहासिक पारी और रिंकू सिंह द्वारा एक मैच के अंतिम ओवर में लगाए गए लगातार पांच छक्के जैसे यादगार क्षण शामिल हैं। इन सभी पलों को रेखाओं के रूप में जोड़कर एक अमूर्त कला शैली में केकेआर अक्षरों का निर्माण किया गया है। इस अनोखे डिजाइन के जरिए प्रशंसक अब अपनी पसंदीदा टीम के गौरवशाली इतिहास को जर्सी के रूप में पहन सकेंगे।

भारतीय कुश्ती के महान गुरु हनुमानः जिन्होंने पहलवानी को दिलाई नई पहचान

नई दिल्ली। भारत में कुश्ती को सदियों से पारंपरिक खेल के रूप में देखा जाता रहा है। इस खेल को नई

ऊंचाइयों तक पहुंचाने में कई महान पहलवानों और गुरुओं का योगदान रहा है। इन्हीं में एक प्रमुख नाम गुरु हनुमान का है, जिन्हें भारतीय कुश्ती के महान प्रशिक्षकों में गिना जाता है। उनका वास्तविक नाम विजय पाल यादव था और उनका जन्म 15 मार्च 1901 को राजस्थान के चिड़ावा में हुआ था। भले ही वह औपचारिक शिक्षा से दूर रहे, लेकिन बचपन से ही उनके मन में कुश्ती के प्रति गहरा जुनून था और इसी जुनून ने उन्हें आगे चलकर भारतीय कुश्ती का बड़ा स्तंभ बना दिया। कम उम्र से ही उन्होंने अखाड़ों में कुश्ती लड़ना शुरू कर दिया था। वर्ष 1919 में वह दिल्ली आए, जहां उन्होंने सब्जी मंडी क्षेत्र में बिड़ला मिल्स के पास एक छोटी दुकान खोली। हालांकि उनका मन व्यापार में नहीं लगा और उन्होंने अपना पूरा ध्यान कुश्ती की साधना में लगा दिया। धीरे-धीरे उनकी पहचान एक बेहतरीन पहलवान और प्रशिक्षक के रूप में बनने लगी। उन्होंने पारंपरिक भारतीय पहलवानी को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती के मानकों के अनुरूप ढालने का काम किया और आधुनिक फ्रीस्टाइल कुश्ती की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गुरु हनुमान ने देश के कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवानों को प्रशिक्षण दिया।

नमन अवार्ड्स-2026 में रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से आयोजित प्रतिष्ठित नमन अवार्ड्स-2026 समारोह में भारतीय क्रिकेट की कई महान हस्तियों और मौजूदा खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को बीसीसीआई का सर्वोच्च सम्मान कर्नल सी.के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया जाएगा। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट की दिग्गज खिलाड़ी मिताली राज को बीसीसीआई महिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

रोजर बिन्नी का शानदार योगदान – रोजर बिन्नी भारतीय क्रिकेट इतिहास के उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने देश को गौरव दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 1983 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली ऐतिहासिक भारतीय टीम के सदस्य रहे थे। अपनी स्विंग गेंदबाजी के लिए मशहूर बिन्नी ने उस विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेकर टीम की जीत में अहम योगदान दिया था। इसके अलावा वह 1985 वर्ल्ड चैंपियनशिप आफ क्रिकेट जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। खिलाड़ी के रूप में करियर समाप्त होने के बाद भी उन्होंने क्रिकेट से जुड़ाव बनाए रखा और वर्ष 2000 में उन्होंने कोच के रूप में भारत की अंडर-19 टीम को आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2000 जिताया। बाद में वह 2012 से 2016 तक राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य रहे और वर्ष 2022 से 2025 तक बीसीसीआई के 36वें अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

राहुल द्रविड़ का महान करियर और कोचिंग योगदान – भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाजों में गिने जाने वाले राहुल द्रविड़ को भी उनके असाधारण योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान से नवाजा जाएगा। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने 24,000 से अधिक रन बनाकर भारतीय बल्लेबाजी को लंबे समय तक मजबूती दी। संन्यास के बाद उन्होंने कोच और मार्गदर्शक के रूप में भी भारतीय क्रिकेट को नई दिशा दी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख रहते हुए उन्होंने युवा खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में भारत की अंडर-19 टीम ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2018 जीता। इसके बाद भारतीय पुरुष टीम के मुख्य

कोच के रूप में उन्होंने टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मिताली राज को महिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड – भारतीय महिला क्रिकेट की महान बल्लेबाज मिताली राज को महिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। दो दशक से अधिक लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन और नेतृत्व से महिला क्रिकेट को नई पहचान दिलाई। मिताली राज महिला वनडे क्रिकेट में 7805 रन बनाकर दुनिया की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम दो बार आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के फाइनल तक पहुंची, जिससे भारत में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता काफी बढ़ी।

अन्य खिलाड़ियों को भी मिलेगा सम्मान – नमन अवार्ड्स-2026 में वर्ष 2024-25 सत्र के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को दूसरी बार पाली उमरीगर अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय पुरुष क्रिकेटर) दिया जाएगा, जबकि स्मृति मंधाना को पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का पुरस्कार मिलेगा। घरेलू क्रिकेट में मुंबई की इरा जाधव को जगमोहन डालमिया ट्राफी (सर्वश्रेष्ठ महिला घरेलू क्रिकेटर) और हरियाणा की शेफाली वर्मा को सीनियर महिला घरेलू एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का सम्मान दिया जाएगा। वहीं मुंबई के आयुष म्हात्रे और विदर्भ के हर्ष दुबे को लाला अमरनाथ अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

आईसीसी विजेता भारतीय टीमों का भी होगा सम्मान – नमन अवार्ड्स 2026 का एक बड़ा आकर्षण उन पांच भारतीय टीमों का सम्मान होगा, जिन्होंने हाल के वर्षों में आईसीसी ट्राफी जीती हैं। इसमें पुरुष सीनियर टीम (आईसीसी चैंपियंस ट्राफी-2025 और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप-2026), महिला सीनियर टीम (आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप-2025), पुरुष अंडर-19 टीम (आईसीसी अंडर-19 विश्व कप-2026) और महिला अंडर-19 टीम (आईसीसी महिला अंडर-19 विश्व कप-2025) शामिल हैं। नमन अवार्ड्स भारतीय क्रिकेट की समृद्ध विरासत का उत्सव मनाने के साथ-साथ उन खिलाड़ियों और टीमों के योगदान को सम्मानित करता है जिन्होंने इस खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री सीमेंट कप के फाइनल में जयपुर पोलो टीम, जैगढ़ को 6-2 से हराया

जयपुर

जयपुर पोलो टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को जैगढ़ पोलो टीम को 6-2 से हराकर श्री सीमेंट कप के फाइनल में जगह बना ली। मैच की शुरुआत से ही जयपुर टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और पहले हाफ में ही मजबूत बढ़त बनाकर मुकाबले पर लगभग कब्जा कर लिया। हालांकि तीसरे चक्कर में जैगढ़ ने वापसी की कोशिश की, लेकिन जयपुर ने संयमित खेल के साथ बढ़त बनाए रखते हुए जीत सुनिश्चित कर ली। पहले चक्कर में जयपुर टीम की शानदार राइडिंग और बेहतरीन पोजिशनिंग देखने को मिली, जिससे जैगढ़ टीम शुरुआत में ही दबाव में आ गई। पहले चक्कर के अंत तक जयपुर 3-0 की बढ़त बना चुका था। टीम के लिए पहला गोल कुंवर प्रताप सिंह कनोटा ने किया, जबकि इसके बाद महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने लगातार दो गोल दागकर टीम की बढ़त मजबूत कर दी। दूसरे चक्कर में भी जयपुर टीम का दबदबा जारी रहा। शानदार पासिंग और तालमेल के दम पर टीम ने कई मौके बनाए, जबकि जैगढ़ की टीम उनकी मजबूत रक्षापंक्ति को तोड़ने में नाकाम रही। हाफ टाइम तक जयपुर ने स्कोर 5-0 कर दिया, जिससे फाइनल की राह लगभग साफ हो गई। हाफ टाइम के बाद तीसरे चक्कर में जैगढ़ टीम ने बेहतर समन्वय के साथ वापसी की कोशिश की और मुकाबला कुछ हद तक प्रतिस्पर्धी बना। हालांकि जयपुर टीम ने बढ़त बनाए रखी और तीसरे चक्कर के अंत तक स्कोर 6-2 हो गया। अंतिम चक्कर में जयपुर ने संयमित रणनीति अपनाते हुए गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और अपनी बढ़त की रक्षा पर ध्यान दिया। इस दौरान कोई बड़ा स्कोरिंग बदलाव नहीं हुआ और अंततः जयपुर ने 6-2 से मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

शंघाई इंटरनेशनल सर्किट, शंघाई में फार्मूला वन

शंघाई इंटरनेशनल सर्किट, शंघाई में फ़ार्मूला वन – चीनी ग्रां प्री रेस के दौरान मर्सिडीज के जार्ज रसेल ने स्प्रिंट रेस जीतने के बाद जश्न मनाया।

एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप : लोकेश सत्यनारायणन ने लंबी कूद में जीता स्वर्ण, बनाया राष्ट्रीय इंडोर रिकार्ड

नई दिल्ली

भारत के एथलीट लोकेश सत्यनारायणन ने अमेरिका के फेयेटविल में आयोजित एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। टार्लटन स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्र लोकेश ने फाइनल के चौथे प्रयास में 8.21 मीटर की छलांग लगाते हुए नया भारतीय इंडोर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया और पहला स्थान हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ वह भारतीय लंबी कूद खिलाड़ियों की सर्वकालिक सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। उनसे आगे केवल जेसविन एल्ड्रिन (8.42 मीटर) और मुरली श्रीशंकर (8.41 मीटर) हैं।

26 वर्षीय लोकेश का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.02 मीटर था। फाइनल के अंतिम प्रयास में उन्होंने 8.17 मीटर की छलांग भी लगाई। प्रतियोगिता में उन्होंने डीआंद्रे वार्ड (8.20 मीटर) और तफाद्ज़्वा चिकोंबा (8.15 मीटर) को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

लोकेश एनसीएए डिवीजन-1 एथलेटिक्स चैंपियनशिप जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले मोहिंदर सिंह गिल (ट्रिपल जंप), विकास गौड़ा (डिस्कस थ्रो) और तेजस्विन शंकर (हाई जंप) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

बेंगलुरु में जन्मे लोकेश खेल प्रेमी परिवार से आते हैं। उनके पिता जान बेंगलुरु पुलिस के लिए फुटबाल खेल चुके हैं, जबकि उनकी बहन मोनिका राष्ट्रीय स्तर की 400 मीटर धाविका रही हैं।

कई बार के जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन लोकेश 2018 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। एक गंभीर सड़क दुर्घटना के बाद उनके करियर में ठहराव आ गया था और वह आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहे थे।

साल 2021 में जब उनकी मां फेंसी मैरी कोविड-19 संक्रमण से जूझ रही थीं, तब उन्होंने लोकेश को अमेरिका में कालेजिएट प्रतियोगिताओं में करियर बनाने की सलाह दी। उसी फैसले के बाद लोकेश ने अमेरिका का रुख किया और अब एनसीएए इंडोर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

युवा लड़कियों को प्रेरित करना चाहती हूं, ताकि अगली पीढ़ी को ज्यादा प्रोत्साहन मिले : दीप्ति शर्मा

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आलराउंडर दीप्ति शर्मा ने खेलों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अधिक प्रोत्साहन और समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया है। उनका कहना है कि महिला खिलाड़ियों की बढ़ती पहचान और उपलब्धियां देश में लोगों की सोच बदलने में मदद कर रही हैं।

दीप्ति शर्मा ने यह बात शनिवार को बीबीसी और कलेक्टिव न्यूज़रूम की ओर से खेलों में महिलाओं की भागीदारी पर जारी एक रिपोर्ट के लान्च कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने कहा कि महिला खिलाड़ियों को सामने लाने और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने वाली पहलें अगली पीढ़ी को प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

दीप्ति शर्मा ने कहा, अब तक का सफर अच्छा रहा है। मैंने देखा है कि भारत और दुनिया भर में कई महिलाओं को ऐसी पहलों के जरिए समर्थन मिल रहा है। यह देखकर अच्छा लगता है कि इतने सारे पुरस्कार विजेता भारत से आए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल 14 भारतीय राज्यों में 2020 के बाद से क्रिकेट में महिलाओं की भागीदारी दोगुनी हो गई है। यह आंकड़ा पांच प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत तक पहुंच गया है। वहीं 15 से 24 वर्ष की युवतियों के बीच यह भागीदारी छह प्रतिशत से बढ़कर 16 प्रतिशत हो गई है।

यह अध्ययन दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच कांतार द्वारा 10 हजार से अधिक लोगों पर किए गए सर्वेक्षण पर आधारित है। इसमें यह भी सामने आया कि अब 26 प्रतिशत युवतियां खेल को करियर के रूप में अपनाने पर विचार कर रही हैं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 16 प्रतिशत था।

दीप्ति शर्मा ने कहा कि महिला क्रिकेट और अन्य खेलों में बढ़ती सफलता और लोकप्रियता से अधिक लड़कियां खेलों में

करियर बनाने का सपना देख रही हैं। उन्होंने कहा, विश्व कप के बाद लोगों की सोच में काफी बदलाव आया है। अब चाहे छोटी बच्ची हो या बड़ी, कई लोग क्रिकेटर बनने या खेलों में हिस्सा लेने का सपना देख रहे हैं।

आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने यह भी कहा कि खिलाड़ियों की जिम्मेदारी है कि वे अगली पीढ़ी को प्रेरित करें। उन्होंने कहा, मैं भी ज्यादा से ज्यादा युवा लड़कियों और अगली पीढ़ी को प्रेरित और सहयोग देना चाहती हूं, ताकि उन्हें अधिक प्रोत्साहन मिले और वे खेलों में बेहतर भविष्य देख सकें।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महिला खेलों को देखने वाले दर्शकों की संख्या बढ़ रही है। सर्वेक्षण में 51 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्होंने पिछले छह महीनों में महिला खेलों की कवरेज देखी है। महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं की दर्शक संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

वहीं राज्यसभा सांसद और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस शोध को महिला खिलाड़ियों को पहचान और प्रोत्साहन देने की दिशा में सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा, यह एक शानदार पहल है। बीबीसी ने हमेशा क्रिकेट ही नहीं, बल्कि विभिन्न खेलों में महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम और पुरस्कार महिला खिलाड़ियों को सम्मान और पहचान दिलाने में मदद करते हैं तथा इस तरह के अध्ययन से लोगों की सोच को समझने और महिला खेलों पर चर्चा को बढ़ावा देने में सहायता मिलती है।

हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं, समय की कमी और महिला खेलों से जुड़े सामाजिक रूढ़िवाद जैसे अवरोध अभी भी मौजूद हैं। ऐसे में महिलाओं को खेलों में आगे बढ़ाने और उन्हें अधिक अवसर देने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने की जरूरत है।

सलाह

गर्मियों में स्किन की चमक को न होने दें कम

गर्मियों के मौसम में दमकती त्वचा पाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है. धूप और पसीने के कारण न केवल स्किन जलने लगती है बल्कि इसका निखार भी चला जाता है. दमकती त्वचा न केवल आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगाती है, बल्कि आपका आत्मविश्वास भी बढ़ाती है. लेकिन आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में अक्सर हमें अपनी स्किन की केयर करने का समय ही नहीं मिल पाता है. ऐसे में हम लेकर आएं हैं आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स जो आपकी दमकती त्वचा पाने की ख्वाहिश को पूरा कर सकते हैं.

» स्किन में निखार लाने के लिए मक्खन में ताजा स्ट्रॉबेरी पीसकर इसका पतला पेस्ट चेहरे पर लगाएं. इसे 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें. त्वचा बेहद मुलायम हो जाएगी.

» अगर आपकी स्किन बहुत ऑयली है तो 4-5 नीम की पत्तियों को पीसकर मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं, सूखने पर गुनगुने पानी से धो लें.

» ऑयली स्किन में निखार लाने के लिए पका हुआ केला मैश कर चेहरे पर लगाएं. आधे घंटे बाद ठंडे पानी से धो लें. चेहरा चमकने लगेगा.

» गीली रूई पर दो-तीन बूंद एस्ट्रीजेंट डालें और पूरे चेहरे पर लगाएं. इससे चेहरे की तैलीयपन खत?म हो जाएगा और चेहरा साफ नज़र आने लगेगा.

» हफ्ते में एक बार फेस पैक का इस्तेमाल ज़रूर करें. इससे चेहरे में चमक आती है.

» ककड़ी, खीरा या संतरे का रस निकालकर फ्रिज में जमा लें. इसके क्यूब को चेहरे पर मलें. चेहरा चमक उठेगा और आपकी खुबसूरती में चार-चांद लग जाएंगे.

» इसके अलावा आत्मविश्वास भी आपकी खूबसूरती में महत्वपूर्ण योगदान देता है. अगर आप आत्मविश्वास से भरपूर हैं, तो उसकी चमक आपके चेहरे पर भी झलकती है. इसलिए कभी अपने आपको कमतर महसूस ना करें.

नाभि के आसपास पेट दर्द का घरेलू उपाय

कई बार नाभि के आसपास पेट दर्द होने लगते है, जिससे काफी परेशानी होती है। लोग दर्द से छुटकारा पाने के लिए कई तरह की दवाईयों का सेवन करते हैं। आप घरेलू उपाय से भी इस दर्द से राहत पा सकते है। आइए जाने यह घरेलू उपाय। **सामग्री**, 1 टीस्पून अजवाइन पाऊडर,1 टीस्पून अदरक पाऊडर (सूखा हुआ), 1/4 टीस्पून काला नमक, **विधि**, एक बाउल में अजवाइन पाऊडर, अदरक पाऊडर और काला नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।, पेट दर्द होने पर 1 चम्मच इस मिश्रण को गर्म पानी के साथ खाएं। इससे दर्द से राहत मिलेगी।,

हम में से अधिकतर लोगों ने कभी सिर दर्द, पेट दर्द, सीने में दर्द, गर्दन में दर्द और जोड़ो के दर्द जैसे दर्द के विभिन्न रूपों का अनुभव किया होगा। और इस दर्द को दूर करने के लिए हम में से बहुत से लोगों ने कैमिस्ट के यहां से बिना किसी डॉक्टरी पर्चे के डिस्प्रिन और एसिटामेनिफेन जैसी दवाएं खरीद कर खाई होगी। साधाण दर्द निवारक गोलियां दर्द में अस्थाई तौर पर आराम तो देते है लेकिन इसके लम्बे समय तक इस्तेमाल से किडनी के खराब होने, एसिडिटी, दस्त और कब्ज जैसी समस्याएं उत्पन्न होने की संभावना बनी रहती है।

इन दवाओं के दुष्प्रभावों के कारण ही आज अधिक से अधिक लोग दर्द निवारण के लिए वैकल्पिक चिकित्सा और प्राकृतिक विधि से दर्द निवारण की विधियों का अपनाने की ओर लौट रहे है। वैकल्पिक चिकित्सा में योगा, मेडिटेशन, मालिश आदि को दर्द निवारण के लिए अकेले या दवाओं के साथ प्रयोग किया जा सकता है। बहुत से वैकल्पिक चिकित्सा और सहायक चिकित्सा के माध्यमों का आज तक मुख्य धारा के आयुर्विज्ञान के शोधकर्ताओं ने शोध नही किया और जितना किया उतना काफी नही था। उनकी अवेलहना के बावजूद यह पारंपरिक तरीके और विधियां दर्द को कम करने और रोकने में बहुत प्रभावशाली और लोकप्रिय है, विभिन्न प्रकार के दर्द को कम करने के लिए कई तरह के सहायक और वैकल्पिक चिकित्सा विधियों का प्रयोग किया जाता है जिनमें प्रमुख इस प्रकार है

हाइड्रेटेड रहना

डिहाइड्रेशन के कारण शरीर से मिनरल का नुकसान, पुराने सिर और पीठ दर्द को बढ़ा देता है। इसलिए सलाह दी जाती है कि दर्द से बचने के लिए तरल पदार्थो का अधिक से अधिक सेवन करें। कई लोग बॉडी को हाइड्रेटेड करने के लिए कॉफी, सोडा या जूस का सहारा लेते हैं ये बिलकुल गलत है क्योंकि इसमें अतिरिक्त कैलोरी, सोडियम और कैफिन समस्या को और अधिक गंभीर बना देता हैं।

गर्म और ठंडा सेक

दर्द से प्रभावित अंगों पर गर्म या ठंडे सेक से दर्द से तुरंत आराम मिलता है। सामान्य तौर पर दर्द निवारण में इस विधि का प्रयोग किया जाता है। इंजरी के बाद बर्फ की पट्टियों से प्रभावित अंगों की सिकाई करने पर दर्द में राहत मिलती है। इंजरी के 24 घंटे बाद बर्फ से सिकाई करने पर प्रभावित अंगों में सूजन होने की संभावना कम हो जाती है। सूजन कम होने या नहीं होने से दर्द भी कम होता है। दर्द की गंभीर और पुराने मामलों में प्रभावित स्थान को गर्म ईट या गर्म वाटर बैग से सिकाई करने पर काफी आराम मिलता है।गर्म सेक से ऊतक मुलायम हो जाते है, रक्त का संचार बढ जाता है और इससे मरीज को दर्द से भी आराम मिल जाता है।

योगा

भारतीय इलाज की पारंपरिक विधि योगा दर्द निवारण में काफी प्रभावी सिद्ध होती है। जब कभी आप योगा शुरु करें तो पहले हल्के किस्म का योग करे फिर धीरे-धीरे इसके समय में वृद्धि करे। योगा शुरु करने के पहले किसी योग चिकित्सक से एक बार सलाह अवश्य लें ले और पहले उसके देखरेख में योगा करे वरना योग के फायदा के बजाए नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

एक्यूपंचर

इस विधि मे दर्द से राहत पाने के लिए शरीर के कुछ हिस्सों में सुई चुभो कर इलाज किया जाता है। एक्यूपंचर करने की विधि से होने वाला दर्द मामूली होता है जो मरीज को पता भी नहीं चलता है।...

एक्सरसाइज

दर्द निवारण के लिए एक्सरसाइज बिना दवा के इलाज के तौर पर एक बहुत ही प्रभावी उपचार सिद्ध होता है। नियमित रूप से एक्सरसाइज करना चाहे वो टहलना, तैराकी या जॉगिंग करना ही क्यों न हो, इससे दर्द में बहुत आराम मिलता है। अपने डॉक्टर से मिलकर आप एक्सरसाइज करना शुरु कर सकते है। फिर धीरे धीरे इसे बाएं।

संतुलित आहार

जर्नल ऑफ अल्टरनेटिव एंड कॉम्प्लिमेंटरी मेडिसिन के शोध के अनुसार, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ से मुक्त आहार दर्द को कम करने में मदद करते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां, ओमेगा 3 फैटी एसिड से उच्च खाद्य पदार्थ, शतावरी और लो शुगर वाले खाद्य पदार्थ जैसे चेरी, प्लम, और अनानास और सोया खाद्य उत्पाद दर्द को कम करने में मदद करते हैं।

घर-संसार

बेकार सामान फैंके को नहीं, इन तरीकों से करें इस्तेमाल

घरों में ऐसा बहुत सा सामान पड़ा होता है, जिन्हें कि अक्सर इस लिए संभाल लिया जाता है कि ये तादाद में थोड़े ज्यादा हो जाएं, तो इन्हें कबाड़ी को बेच देंगे या फिर कभी काम आ जाएगा लेकिन ऐसे सामान को रखकर हम सिर्फ अपने घर की जगह को ही घेरते हैं जबकि आप चाहें तो ऐसी चीजों को नया रूप दे कर इन्हें यूज कर सकते हैं।

कोल्ड ड्रिंक की बोतलें

पार्टी हो या फिर घर पर कोई मेहमान आए, शादी हो या कोई भी त्यौहार हम कोल्ड ड्रिंक सबसे ज्यादा यूज करते हैं तथा उसकी छोटी बड़ी अनेक बोतलें हमारे घर पर इक्ट्ठी हो जाती हैं। हम बाजार से इतने महंगे गमले खरीद कर लाते हैं जो कि बहुत कच्चे होते हैं, क्योंकि एक ठोकर लगी और गमला खत्म। आप चाहें तो इन कोल्ड ड्रिंक्स के बोतलों में बहुत अच्छे-अच्छे फूल या पौधे लगा सकती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि यह कभी खराब नहीं होती हैं तथा हम इन्हें कहीं भी हैंग कर सकते हैं। आप चाहें तो इन्हें थोड़ा सा डेकोरेट कर दें और फिर देखें कि आपकी बगिया कैसे खिल जाती है।

पुराने जूते को दें नया रंग

यदि आपके पास जूते की काफी कलैक्शन है और आप अपने पुराने जूते पहन कर बोर हो गई हैं तो इन्हें फैंकने की बजाय बाजार से कुछ स्टाइलिश स्टार्स, लेस या बटन ले आएं और अपने जूते को एक नया रंग दे दें, इससे आपको नया स्टाइल भी मिल जाएगा।

लैंप बन जाएंगी बोतलें

आपके घर के लैंप बहुत पुराने हो चुके हैं और अभी आपका बजट भी नहीं है कि आप नया खरीद पाएं, तो वाईन की बोतलों को आप स्टाइलिश लैंप में बदल सकती हैं। आप चाहें तो उन पर पेंट भी कर सकती हैं, कोई डिजाइन भी बना सकती हैं या फिर ग्लीटर भी लगा सकती हैं।

पुरानी सीढ़ी को बनाएं रैक

आपके घर में बहुत समय से कोई सीढ़ी पड़ी है, जो काम की नहीं हैं तो उसे रैक में बदल लें। फिर आप चाहें तो उसमें किताबें रखें या फिर डेकोरेशन का कोई सामान, जिसे देख कर हर कोई आपके आइडिया की तारीफ कर उठेगा।

पर्यावरण दिवस पर वास्तु अनुरूप लगाएं पेड़-पौधे

पर्यावरण से लाभ मिले इसके लिए हमें प्रकृति के नजदीक जाना होगा। इसका सीधा-सा समाधान है बस अपने घर के भीतर व आसपास अधिक से अधिक पेड़-पौधे उगाना।

अपने आशियाने के खुले स्थान पर एक मनमोहक बगीचा लगा दिया जाए तो पूरा घर तरोताजा हवा एवं प्राकृतिक सौंदर्य से सराबोर रहेगा और यदि वास्तुशास्त्र में बताए अनुसार पेड़-पौधे लगाते हैं तो सकारात्मक ऊर्जा का लाभ भी मिलेगा।

पेड़-पौधों में भी जीवन होता है अत: इनकी जीवंत ऊर्जा का सही प्रयोग हमें स्वस्थ एवं प्रसन्न रख सकता है। बस केवल आपको यह ध्यान रखना है कि पेड़-पौधे वास्तुशास्त्र की दिशा के अनुरूप हों।

चलिए शुरुआत करते हैं बालकनी से

घर के मुख्य द्वार के आसपास एवं पूर्व, उत्तर तथा पूर्वोत्तर दिशाओं की बालकनी पर गुलाब, बेला, चमेली, ग्लेडियोलाई, कॉसमोस, कोचिया, जीनिया, गेंदा और सदाबहार जैसे फूलों के पौधे लगाएं। स्थानाभाव में लोहे या सरिये के स्टैंड में लगे गमलों में भी इन्हें लगाया जा सकता है।

आपका घर है पश्चिम या दक्षिणमुखी

आपको घर के पीछे के खाली स्थान पर पूर्व, उत्तर अथवा पूर्वोत्तर में स्थित हो ऊपर बताए पौधे लगाना चाहिए।

जबकि पश्चिम एवं दक्षिणमुखी भवन के आगे या मुख्य द्वार की ओर बड़े-बड़े पेड़-पौधों एवं लताओं का प्रयोग करने के बारे में वास्तुशास्त्र में बताया गया है।

कैसी हो वास्तु दिशा -

वास्तु में अनुसार सकारात्मक ऊर्जा तरंगें सदैव पूर्व दिशा से पश्चिम की ओर, उत्तर दिशा से दक्षिण की ओर एवं पूर्वोत्तर से दक्षिण-पश्चिम के नैऋत्य कोण की ओर प्रवाहित होती हैं।

इसलिए पूर्व एवं उत्तर दिशा में केवल हलके, छोटे व कम घने पेड़- पौधे लगाएं, जिससे कि घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा के रास्ते में कोई रुकावट न आए।

इन दिशाओं की सकारात्मक बढ़ाने के लिए तुलसी के पौधे लगाएं। तुलसी के आसपास से होकर गुजरने वाली हवा शुद्ध एवं स्वास्थ्यप्रद हो जाती है।

अन्य औषधीय पौधे -

इसके अलावा यहां पर अन्य औषधीय पौधे, जैसे- पुदीना, लेमनग्रास, खस, धनिया, सौंफ, हलदी, अदरक के पौधे आदि की उपस्थिति भी हमेशा आपके तन-मन को ताजगी चुस्ती-स्फूर्ति एवं आरोग्य प्रदान करेगी।

गर्मियों में लगाएं ये फूल, बगीचा जाएगा महक

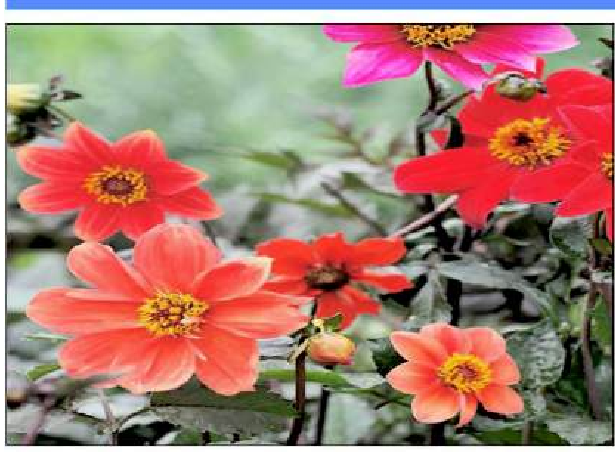

गर्मियों के चलते लोग अपने घरों में अधिक से अधिक पेड़ लगाते है, ताकि घर में ताजी हवा और हरियाली का माहौल बना रहे। यहीं समय होता है, जब आप अपने बगीचे को रंग-बिरंगे खूबसूरत फूलों से सजा महका सकते है। इससे बगीचा और घर खुशबू से महकने लगता है। दिक्कत आती है तो यह कि कौन से फूल लगाए जाए, जो गर्मियों में घर का माहौल चेंज कर दें। अगर आप भी इसी सोच में डूबे बैठे है तो हम आपको कुछ ऐसे फूलों के बारे में बताएंगे, जिनको आप गर्मियों में अपने घरपर उगा सकते है। इससे घर अच्छा भी लगेगा और ताजी, खूशबूदार हवा का माहौल बना रहेगा।

1. बाल्सम : इस फूल को गर्मिया शुरू होते ही लगा दें क्योंकि यह गर्मियों कै मौसम के बीच ही खिल जाते है। इन से घर महका-महका लगता है।

2. डहलिया : यह फूल कई रंग-बिरंगे होते है। अगर आप गर्मी में इनको लगाएगे तो आपके बगीचे में रौनक सी छा जाएगी। ध्यान रखें कि इन पर तेज सूरज की किरणें न पड़ने पाएं।

3. ग्लेडियोलस : सितारों के आकार में बने यह फूल लाल, पिंक, हरे, नीले और पीले रंग में आसानी से मिल जाते है। इससे आपका बगीचा काफी कलरफूल दिखाई देगा।

4. गेंदा : घरों में सबसे ज्यादा दिखने वाला फूल गेंदा है क्योंकि इसकी महक बहुत ही अच्छी होती है, जो पूरे वातावरण को ताजा कर देती है।

5. ओलियंडर : इस फूल को गर्मी में लगाना काफी बैस्ट है क्योंकि इनकी देखभाल करना काफी आसान होता है। यह पिंक, लाल, बैंगनी, पीले और सफेद रंग में मिल जाते है। इनका ख्यान रखना जरूरी है क्योंकि यह बहुत ही जहरीले होते है।

रेसिपी

कॉर्न टिक्की

सामग्री

3/4 कप 1/4 कप स्वीट कॉर्न, 2 आलू (उबले हुए), 1/2 कप ब्रैड क्रम्ब, 2 हरी मिर्च (कटी हुई), 1 छोटा टुकड़ा अदरक, 4-5 लहसुन की कलियां, 4 चम्मच हरा धनिया (कटा धनिया), 1 चम्मच गरम मसाला, नमक स्वादानुसार, तेल

विधि

सबसे पहले स्वीट कॉर्न को माइक्रोवेव में स्टिम कर लें। अब इसे मिक्सी में डालकर अदरक,लहसुन और हरी मिर्च डालकर दरदरा पीस लें। एक बर्तन में उबले आलू,ब्रैड क्रम्ब और कॉर्न पेस्ट बनाकर और 1/4 कप मकई के दाने,हरा धनिया,गरम मसाला,नींबू का रस और नमक डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब हाथ को थोड़ा-सा तेल लगाकर इस मिश्रण के छोटे-छोटे गोले बनाकर टिक्की का आकार बनाएं। एक नॉन स्टिक तवे पर तेल लगा कर इसे गर्म होने पर आंच को धीमा कर दें। अब टिक्की को इस पर फ्राई करें। सुनहरा भूरा होने पर टिक्की को किचन टावल पर रखें। इसे सॉस के साथ सर्व करें।

पनीर कोरमा

सामग्री

2 कप पनीर के टुकड़े, 2 टेबल-स्पून तेल, 3/4 कप कसा हुआ प्याज़, 2 इलायची, 1/2 कप आधे उबले , छिले और बीज निकाले हुए टमाटर, 1 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 कप फ्रेश क्रीम, नमक स्वादअनुसार, **सजाने के लिए**, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक गहरे पैन में तेल गरम करें, प्याज़ और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनें। टमाटर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर डालकर मध्यम आंच पर और कुछ सेकेन्ड तक पकाएं। पनीर, क्रीम और नमक डालकर हलके हाथों मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए मध्यम आंच पर 2 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**